हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

inBCN NEWS 24X7 www.inbcn.in

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 नागपुर, बुधवार, 5 फरवरी 2025 अंक 114/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान हो ?

•जोडों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोध •सरवाइकल पेन पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

दिल्ली विधानसभा

699 उम्मीदवारों के भाग्य का होगा फैसला

नई दिल्ली.

राजधानी की 70 विधानसभा सीटों पर कल यानि बुधवार को मतदान होगा। इस बार 699 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 13000 से अधिक मतदान केंद्रों पर 1.56 करोड़ मतदाता करेंगे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिल्ली 70 विधानसभा सीटों पर पांच फरवरी को सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। यदि कोई छह बजे तक लाइन में लग गया तो वह मतदान कर सकेगा, चाहे कितना भी समय लगे। मंगलवार शाम को ईवीएम मतदान कर्मियों को सौंप दी जाएगी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से तैयारी पूरी कर ली गई है। निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, एक ईवीएम में 16 प्रत्याशियों के ही चुनाव चिह्न हो सकते हैं। इससे अधिक उम्मीदवार होने पर दूसरी ईवीएम रखी जाती है। नई दिल्ली और जनक पुरी में विधानसभा में दो ईवीएम रखी जाएगी। वहीं आपात स्थिति के लिए करीब 20 प्रतिशत ईवीएम रिजर्व में रखी जाएंगी, ताकि मतदान वाले दिन कहीं कोई खराबी या ईवीएम में समस्या आती है तो तत्काल बदलकर मतदान को सुचारू रखा जाए।

दिल्ली की सत्ता पर बीते 11 सालों से काबिज आम आदमी पार्टी 2025 के विधानसभा चुनाव में फिर से अपनी वापसी के लिए बेताब है. बीजेपी और कांग्रेस ने आक्रामक चुनाव प्रचार कर दिल्ली के चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है. दिल्ली के बदले सियासी माहौल में आम आदमी पार्टी अपने ही दुर्ग में घिरी हुई नजर आ रही है. 2020 के चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी बड़े मार्जिन के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी, कांग्रेस और बीजेपी के चक्रव्यूह के चलते अब उन्हीं सीटों पर केजरीवाल के सिपहसलारों की सांसें फूल रही हैं.

एक लाख से अधिक कर्मचारियों की होगी तैनाती..., चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के लिए इस बार एक लाख से अधिक कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसमें दिल्ली पुलिस के 35 हजार जवान, 19 हजार होमगार्ड और 220 कंपनियां केंद्रीय सुरक्षा बलों की होंगी। अन्य दिल्ली सरकार के कर्मी शामिल होंगे। 2696 मतदान स्थानों में 13766 मतदान बूथ बनाए गए हैं। इसमें 70 मतदान केंद्र, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक, विशेष रूप से महिला कर्मचारियों द्वारा प्रतिबंधित किए जाएंगे। वहीं 70 मतदान केंद्रों का प्रबंधन और संचालन पूरी तरह से दिव्यांगों द्वारा किया जाएगा। मतदाताओं को बूथ परिसरों में आसानी से अपने मतदान केंद्र खोजने में सहायता करने के लिए सभी जिला चुनाव अधिकारी रंग कोड के अनुसार मतदान केंद्र स्थापित करेंगे। किसी विशेष मतदान केंद्र को सौंपा गया विशिष्ट रंग कोड मतदाता सूचना पर्ची से किया जाएगा। जरूरतमंद मतदाताओं के लिए 4,217 व्हीलचेयर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त, छोटे बच्चों वाले माता-पिता की सहायता के लिए एक क्रेच सुविधा उपलब्ध होगी। आम आदमी पार्टी ने 2015 और 2020 के दिल्ली चुनाव में एकतरफा जीत दर्ज की थी. पांच साल पहले 2020 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली की 70 में से 62 सीटें जीतने में कामयाब रही थी, जिसमें से पांच सीटें रिकॉर्ड मतों से जीती थीं. बड़े मार्जिन के साथ दिल्ली की जिन सीटों को आम आदमी पार्टी ने फतह कर मजबूत गढ़ में तब्दील किया था, इस बार के चुनाव में वो दरकता हुआ नजर रहा है. बीजेपी और कांग्रेस ने इन सीटों पर ऐसा सियासी तानाबाना बुना है, जिसमें आम आदमी पार्टी पूरी तरह से उलझी हुई है. ऐसे में अब देखना है कि आम आदमी पार्टी क्या अपने सियासी दुर्ग को बचाए रख पाती है कि नहीं?

'चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के लिए इस बार एक लाख से अधिक कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसमें दिल्ली पुलिस के 35 हजार जवान, 19 हजार होमगार्ड और 220 कंपनियां केंद्रीय सुरक्षा बलों की होंगी।'

समृद्धि महामार्ग पर फिर बड़ा हादसा; एक की मौत, चार गंभीर घायल

बुलढाणा. समृद्धि महामार्ग पर फिर एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया, जहां एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक महिला की मौके पर मौत हो गई, वहीं चार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी स्तिथि गंभीर बनी हुई है। हादसा सोमवार आधी रात को सिंदखेड राजा तहसील के मुंबई कॉरिडोर के 320 चैनल के पास हुआ। अभी प्रयागराज महाकुंभ से वापस संभाजीनगर लौट रहे थे। संभाजीनगर जिले के वडगांव कोल्हाटी के पांच लोग प्रयागराज में शुरू महाकुंभ में स्नान करने के लिए गए थे। स्नान करने के बाद सभी समृद्धि महामार्ग से वापस अपने गृह जिले लौट रहे थे। सोमवार रात को जैसे ही वाहन सिंदखेड राजा तहसील के मुंबई कॉरिडोर के 320 चैनल के पास पहुंचे, अचानक ड्राइवर अक्षय भगवान नरले (27) को नींद आ गई। जिसके कारण वाहन से उसका नियंत्रण छूट गया और कार साइड रेलिंग से टकरा गई। हादसे के बाद कार दो बार पलटी हुई। इस हादसे में रूपाली भगवान नराले (उम्र 45) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं भागवत देवीदास नरले (आयु 55), संजय खंडोबा पवार (उम्र 65 वर्ष) और मंगला संजय पवार (60) गभीर रूप से घायल हो गए।

केजरीवाल ने निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली.

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान से एक दी पहले अरविंद केजरीवाल ने निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने मतदान से पहले कथित हिंसा की शिकायत की। आयोग के साथ बैठक के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने अभी चुनाव आयोग से मुलाकात की। हम चुनाव आयोग के सहयोग के लिए आभारी हैं। हमने दिल्ली पुलिस की ओर से कथित हिंसा और गुंडागर्दी के बारे में चिंता जताई। चुनाव आयोग ने हमें निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। केजरीवाल ने आगे कहा कि हमने मतदाताओं को दबाने के जोखिम का भी उल्लेख किया। चुनाव आयोग ने हमें भरोसा दिया है कि लोग बिना डरे और शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कर सकें ऐसा सुनिश्चित किया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग के सामने एक और डर का अंदेशा भी जताया। उन्होंने कहा-इस बात की चिंता है कि आज रात लोगों को डराया जा सकता है। लोगों को कल मतदान करने से रोकने के लिए उनकी उंगली पर काली स्याही से निशान लगाया जा सकता है। चुनाव आयोग ने उचित कार्रवाई का वादा किया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा- सभी चुनाव अधिकारियों को निष्पक्ष रूप से काम करना जारी रखना चाहिए और समान अवसर को बाधित करने वाला कोई भी पक्षपातपूर्ण आचरण अक्षम्य होगा। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि वे रात भर सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें और सुनिश्चित करें कि आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन हो। किसी भी तरह के प्रलोभन या धमकी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किया जाना चाहिए। नागरिकों, पार्टियों और उम्मीदवारों को सी-विजिल ऐप का इस्तेमाल करना चाहिए।

आयोग से मिलने से पहले अरविंद केजरीवाल ने एक पोस्ट में आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने बवाना विधानसभा क्षेत्र से आप के उम्मीदवार जय भगवान उपकार को धमकियां दी हैं। केजरीवाल ने आप के मुख्य मीडिया कोऑर्डिनेटर विकास योगी की पोस्ट शेयर करते हुए आरोप यें कहा- पुलिस के सामने वेश में अमित शाह का गुंडा खुलेआम धमकियां दे रहा है। अमित शाह, भारत आपकी गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगा।

पीएम मोदी आज महाकुंभ जाएंगे

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को प्रयागराज महाकुंभ जाएंगे जहां वह संगम में पवित्र स्नान करेंगे। बुधवार को माघ महीने की अष्टमी तिथि पर पुण्य काल में वह पवित्र त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाएंगे। स्नान के बाद वह संगम तट पर ही गंगा की पूजा कर देशवासियों की कुशलता की कामना करेंगे। प्रधानमंत्री कल सुबह 10 बजे महाकुंभ में पहुंचेंगे। यहां वह अरैल घाट से बोट के जरिए संगम जाएंगे। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री मोदी तकरीबन एक घंटे प्रयागराज में रहेंगे। इस दौरान स्नान और गंगा पूजन करेंगे और फिर वापस लौट जाएंगे। प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के पहले 13 दिसंबर 2024 को संगम तट पर गंगा की आरती और पूजा कर इस महाआयोजन के सकुशल संपन्न होने की मंगलकामना की थी। वर्ष 2019 के कुंभ के शुरू और बाद में भी वह आए थे।

संगम में लगाएंगे आस्था की डुबकी

- **मोदी का पूरा कार्यक्रमः** *पीएम मोदी का लगभग एक घंटे का महाकुंभ नगर में कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है। वह बमरौली एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह लगभग 10 बजे विशेष वायुयान से पहुंचेंगे। इसके बाद सेना के तीन हेलीकाप्टर से अरैल स्थित डीपीएस मैदान के हेलीपैड पर उतरेंगे, जहां से कार से वीआइपी जेटी जाएंगे। यहां से निषादराज क्रूज से संगम में डुबकी लगाने जाएंगे। इसके बाद गंगा की पूजा व आरती करेंगे। इस दौरान वह अखाड़ों, आचार्यवाड़ा, दंडीवाड़ा व खाकचौक के प्रतिनिधियों से भेंट वार्ता करेंगे। लगभग एक घंटे बाद यहां से वह लौट जाएंगे।*

भूटान नरेश की त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी

प्रयागराज. तीर्थराज प्रयागराज में आस्था के अलग-अलग रंग समेटे महाकुंभ में मंगलवार को विदेशी मेहमान पहुंचे हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी मेजबानी कर रहे हैं। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक ने आज संगम में डुबकी लगई। इस दौरान सीएम योगी भी उनके साथ थे। इससे पहले भूटान नरेश और सीएम योगी ने विधि विधान से संगम तट पर पूजा पाठ किया। दोनों कबूतरों को दाना खिलाते भी नजर आए। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वांग्चुक की अगवानी की। वांग्चुक मंगलवार को महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज आए है। सीएम योगी ने भूटान नरेश को पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनकी कुशलक्षेम पूछी। भूटान नरेश ने भी मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। हवाई अड्डे पर कलाकारों ने भूटान नरेश के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान, वांग्चुक ने भी कलाकारों की हौसलाअफजाई की। आज प्रधानमंत्री मोदी संगम पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाएंगे।

हम संविधान को जीते हैं, जहर की राजनीति नहीं करते: पीएम मोदी

नई दिल्ली.

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में अपनी बात रखते हुए कहा कि हम लोग संविधान को जीते हैं. संविधान को सर्वोपरि मानकर काम करते हैं. हम देश में जहर फैलाने की राजनीति नहीं करते. कुछ लोग अर्बन नक्सल की भाषा बोलने लगे हैं. ये लोग संविधान को नहीं समझ सकते.' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए संविधान के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी. पीएम ने कहा कि हम संविधान की भावना को लेकर चलते हैं. हम जहर की राजनीति नहीं करते हैं. देश की एकता को सर्वोपरि रखते हैं. इसलिए सरकार वल्लभ भाई पटेल का दुनिया का सबसे ऊंचा स्टैच्यू बनाते हैं. वो बीजेपी के नहीं थे, न ही जनसंघ के थे.

ये देश का दुर्भाग्य है कि आजकल कुछ लोग अर्बन नक्सल की भाषा खुलेआम बोल रहे हैं. अर्बन नक्सल जिन बातों को बोलते हैं इंडियन स्टेट के सामने मोर्चा लेना, ये अर्बन नक्सल की भाषा बोलने वाले न संविधान को समझ सकते हैं और न ही देश की एकता को समझ सकते हैं.

सात दशक तक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को संविधान के अधिकारों से वंचित रखा गया. ये संविधान के साथ भी अन्याय था और वहां के लोगों के साथ भी अन्याय था. हमने आर्टिकल 370 की दीवार गिरा दी. अब देश के नागरिकों को जो अधिकार हैं वो उनको मिल रहे हैं. संविधान की भावना को जीते हैं इसलिए ऐसे मजबूत फैसले भी करते हैं. हमारे संविधान हमें भेदभाव करने का अधिकार नहीं देता है. जो लोग संविधान जेब में लेकर जीते हैं उनको पता नहीं है कि आपने मुस्लिम महिलाओं को किस तरह से जीने के लिए मजबूर कर दिया था. हमने मुस्लिम बेटियों को समानता का अधिकार दिया. हमने एक लंबे विजन पर काम किया, देश में जब भी एनडीए की सरकार रही है हमने एक लंबे विजन पर काम किया. हमारे लिए जो पीछे है, जो आखिरी है उसकी तरफ हमारा ध्यान ज्यादा है. उसी का परिणाम है.

कुछ दल देश के युवाओं के साथ धोखा कर रहे हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ दल युवाओं के साथ धोखा कर रहे हैं. ये दल चुनाव के दौरान वादे तो करते हैं, लेकिन वादा नहीं करते हैं. ये दल युवाओं के भविष्य पर आपदा बनकर गिरे हुए हैं. हम कैसे काम करते हैं ये हरियाणा में अभी अभी देश ने देखा है. बिना खर्ची, बिना पर्ची, नौकरी देने का वादा किया था. सरकार बनते ही नौजवानों को नौकरी मिल गई. हम जो कहते हैं उसी का परिणाम है. हरियाणा में तीसरी बार भव्य विजय यह अपने आप में ऐतिहासिक घटना है. महाराष्ट्र में भी ऐतिहासिक परिणाम मिला है. ये जनता जनार्दन के आशीर्वाद से हम करके आए हैं.

नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की गला रेतकर कर दी हत्या

बीजापुर.

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तर्रेम पुलिस थाना क्षेत्र के बुगदिचेरू गांव में सोमवार रात को हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अज्ञात नक्सलियों ने दो ग्रामीणों, जिनकी पहचान करम राजू (32) और मदवी मुन्ना (27) के रूप में हुई। नक्सलियों ने ग्रामीणों का धारदार हथियार से गला काट दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में संदिग्ध नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तर्रेम थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुड़गीचेरू गांव में संदिग्ध नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि सोमवार रात अज्ञात माओवादी गांव पहुंचे और उन्होंने दोनों ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों को गांव के लिए रवाना किया गया है।

मारा गया आठ लाख रुपये का इनामी नक्सली

वहीं, कांकेर जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आठ लाख रुपये का इनामी नक्सली मारा गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। ताजा मुठभेड़ के बाद राज्य में इस साल जनवरी से अब तक मारे गए माओवादियों की संख्या 50 हो गई है। कांकेर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) इंदिरा कल्याण एलेसेला ने कहा कि रविवार दोपहर को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान कांकेर और नारायणपुर जिलों की सीमा पर एक जंगल में गोलीबारी हुई।

ट्रंप का सख्त एक्शन, शुरू हुई भारतीय प्रवासियों की डिपोर्टिंग

नई दिल्ली.

अमेरिकी सैन्य विमान के जरिए कुछ अवैध प्रवासियों को भारत लाने की खबरों के बीच यहां अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका आव्रजन कानूनों को सख्त कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के करीब दो सप्ताह बाद अवैध भारतीय नागरिकों को निर्वासित करने का पहला दौर शुरू हुआ है। ट्रंप ने अमेरिका में रहने वाले अवैध प्रवासियों से निपटने के लिए सख्त नीति अपनाने की बात कही है।

अवैध प्रवासियों के एक समूह को भारत लाने वाली उड़ान के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन जोर देकर कहा कि अमेरिका अवैध प्रवासियों को निकाल रहा है। अधिकारी ने कहा, ''मैं उन जांच के बारे में कोई विवरण साझा नहीं कर सकता, लेकिन मैं रिकॉर्ड पर साझा कर सकता हूं कि अमेरिका अपनी सीमा की सुरक्षा को लेकर सख्त है, आव्रजन कानूनों को सख्त कर रहा है और अवैध प्रवासियों को हटा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''ये कार्रवाइयां एक स्पष्ट संदेश हैं कि अवैध प्रवास जोखिम से भरा है।''

भारत वही करेगा जो सही होगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 27 जनवरी को फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि भारत, अमेरिका से अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के मामले में 'वही करेगा जो सही होगा।' पिछले महीने विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा था कि वह अवैध आव्रजन का विरोध करता है और अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को वापस लेने के लिए तैयार है, बशर्ते उनकी राष्ट्रीयता सत्यापित हो।

भारत करता है अवैध आव्रजन का विरोध

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 24 जनवरी को कहा था कि भारत अवैध आव्रजन का विरोध करता है, क्योंकि इसका संबंध संगठित अपराध के कई रूपों से है। उन्होंने कहा, ''हम उन्हें वापस ले लेंगे, बशर्ते हमारे साथ दस्तावेज साझा किए जाएं ताकि हम उनकी राष्ट्रीयता सत्यापित कर सकें और यह पता लगा सकें कि वो वास्तव में भारतीय हैं।'

अघोरी को कार समेत किया गिरफ्तार

वेमुलावाड़ा. तेलंगाना के वेमुलावाड़ा के ऐतिहासिक श्री राजराजेश्वर मंदिर परिसर में स्थित दरगाह पर जा रही महिला अघोरी को पुलिस ने हिरासत में लिया है. उसने दरगाह को ध्वस्त करने का ऐलान किया था.

पुलिस ने पहले उसे रोकने की कोशिश की, जब हंगामा ज्यादा हुआ तो महिला अघोरी को राजन्ना सिरसिला जिले के तंगल्लापल्ली मंडल के जिल्लेला चेकपोस्ट से उसकी कार समेत हिरासत में लिया है. महिला अघोरी ने पिछले कुछ दिनों से वेमुलावाड़ा राजराजेश्वर मंदिर में दरगाह को ध्वस्त करने के बारे में ऐलान किया था. वह दो-तीन दिन से अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस मामले को अपडेट कर रहा था. पुलिस सुरक्षा कारणों को लेकर सतर्क हो गई थी. इस दौरान वेमुलावाड़ा की ओर जाने वाले मार्गों पर निगरानी रखी गई. अघोरी गांव से होकर जा रहा था, पुलिस ने उसे रोक लिया और वापस लौटने को कहा. इस बीच पुलिस ने विनती भी की, लेकिन अघोरी पीछे नहीं हटा. मंदिर परिसर स्थित दरगाह पर जाने की जिद पर अड़े अघोरी के हंगामे को बढ़ता देख लोगों की भीड़ जमा हो गई.

CMYK

गोपाल विट्ठल बने जीएसएमए बोर्ड के कार्यवाहक चेयरमैन

गुरुग्राम.

भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडीगोपाल विट्ठल को जीएसएमए बोर्ड का कार्यवाहक चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तब हुई जब टेलीफोनिका के चेयरमैन और सीईओ, जोस मारिया एलवारेस-पैलेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के साथ ही वह अब जीएसएमए के चेयरमैन पद पर नहीं रहेंगे। हाल ही में, गोपाल विट्ठल को दूसरी बार जीएसएमए बोर्ड का डिप्टी चेयर चुना गया था। इससे पहले, वह 2019-2020 के दौरान भी बोर्ड के एक महत्वपूर्ण सदस्य रह चुके हैं। उनके पास दूरसंचार क्षेत्र में गहरा अनुभव है और यह नियुक्ति उनकी नेतृत्व क्षमता और विशेषज्ञता को दर्शाती है। जीएसएमए दूरसंचार उद्योग का एक वैश्विक संगठन है, जो 1100 से अधिक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं के साथ-साथ हैंडसेट और डिवाइस निर्माता, सॉफ्टवेयर कंपनियां, नेटवर्क उपकरण प्रदाता और इंटरनेट कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, इससे जुड़ी कई अन्य संस्थाएं भी दूरसंचार उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा

स्टार्टअप्स में 48% कंपनियों में महिला निदेशक

नई दिल्ली.

देश में स्टार्टअप्स को लेकर एक अच्छी खबर है. शुरू हुए नए स्टार्टअप्स में महिलाओं का जलवा देखने को मिला है. सरकार ने बीते हफ्ते की 1 फरवरी को संसद में देश का आम बजट पेश किया, जिसमें वित्त मंत्री ने कई सारे ऐलान किए. बजट पेश होने से ठीक एक दिन पहले सरकार इकोनॉमिक सर्वे 2024-25 को टेबल किया. देश के समक्ष रखा. खबर यही कि देश के स्टार्टअप्स में करीब 48 फीसदी कंपनियां ऐसी हैं, जिसमें कम से कम एक महिला डायरेक्टर है.

जहां देश में एक ओर स्टार्टअप और बड़ी-बड़ी कंपनियों की बागडोर पुरुषों के हाथों में हैं. उसके बीच में यह एक राहत भरी खबर है. शुक्रवार को संसद में पेश किए गए 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे से पता चला है कि 73,151 स्टार्टअप में कम से कम एक महिला डायरेक्टर है, जो कुल 152,139 DPIIT-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप का 48 प्रतिशत से अधिक है.

इन सभी के बीच समाज और देश के लिए जो अच्छी खबर है वह यही है कि स्टार्टअप में न केवल पुरुषों की भागीदारी है. बल्कि महिलाएं भी इस ओर बढ़ रही हैं और सफल हो रही है. इस बार के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अन्नदाता, युवा और महिलाओं के विकास पर फोकस करने की अपनी बात दोहराई.

स्टार्टअप के फायदे और खामियां: सभी कंपनियां यूनिकॉर्न नहीं बन पातीं

❑ देश में पिछले कुछ सालों से स्टार्टअप कल्चर बढ़ा है. हर कोई अपना काम करना चाह रहा है. इसके कई कारण हैं, जिसमें सबसे बड़ा है कि लोग खुद का काम करके ज्यादा पैसा कमाना चाह रहे हैं, जो कि नौकरी में नहीं हो पाएगा. नौकरी में एक फिक्स तनख्वाह में काम चलाना पड़ता है. हालांकि, स्टार्टअप के अपने ड्रॉबैक भी हैं. क्योंकि सारे स्टार्टअप यूनिकॉर्न नहीं बन पाते हैं. देश में स्टार्टअप कल्चर के ज्यादा पॉपुलर होने के पीछे शार्क टैंक जैसे शो की भी भूमिका है.

पीएफ पर और ज्यादा मिलेगा ब्याज?

नई दिल्ली.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री कर दिया है. टैक्स में बड़ी राहत के बाद अब सैलरीड क्लास को ईपीएफओ में ज्यादा ब्याज की उम्मीद है. सैलरीड क्लास का मानना है कि टैक्स के बाद अब पीएफ को लेकर बड़ा ऐलान हो सकता है. ईपीएफओ के केंद्रीय बोर्ड ट्रस्टी की 28 फरवरी को बैठक होने वाली है ऐसे में उम्मीद है कि इस बैठक में बड़ी राहत मिल सकती है.

इसमें 2024-25 के लिए पीएफ जमा पर ब्याज दर टॉप एजेंडा आइटम होने की संभावना है. हालांकि, बैठक का औपचारिक एजेंडा अभी सर्कुलेट नहीं हुआ है. मीडिया रिपोर्ट्स में बिजनेस टुडे ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज दर को फाइनल रूप देना अभी बाकी है क्योंकि अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है. एक आधिकारिक नोटिफिकेशन में कहा गया, "ईपीएफ की सीबीटी की 237वीं बैठक 28 फरवरी को होने वाली है." केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री के नेतृत्व वाला सीबीटी, ईपीएफओ का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है और इसमें राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ-साथ नियोक्ता संघों, ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल हैं. ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पीएफ जमा पर 8.25% की दर तय की थी, जो पिछले 2022-23 में 8.15% थी. सीबीटी की आखिरी बैठक 30 नवंबर, 2024 को हुई थी जिसमें उसने फैसला किया था कि मेंबर्स को निपटान की तारीख तक ब्याज का भुगतान किया जाएगा. ईपीएफओ की सालाना रिपोर्ट 2023-24 के मुताबिक, जिसे सीबीटी ने अपनी पिछली बैठक में भी मंजूरी दे दी थी, रिटायरमेंट फंड निकाय ने 2022-23 में योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 7.18 लाख से 6.6% बढ़कर 7.66 लाख हो गई. योगदान देने वाले सदस्यों की संख्या 2022-23 में 6.85 करोड़ से 7.6% बढ़कर 2023-24 में 7.37 करोड़ हो गई.

जिंजर नागपुर सिटी सेंटर होटल का हुआ उद्घाटन

दूसरा होटल लॉन्च करते हुए व्यवसाय का विस्तार

मुंबई.

इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी आतिथ्य सेवा कंपनी ने आज जिंजर नागपुर सिटी सेंटर होटल का उद्घाटन किया। जिंजर पोर्टफोलियो में शामिल इस नए होटल ने ब्रांड के उद्देश्य 'लीन लक्स' को साकार किया है, जिसके तहत ग्राहकों को अत्याधुनिक सुविधाएं और आरामदायक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। आयएचसीएल, होटल उद्घाटन और नवीनतम व्यवसाय विभाग की कार्यकारी उपाध्यक्ष, दीपिका राव ने कहा, "हम नागपुर में जिंजर के दूसरे होटल के उद्घाटन के साथ अपनी उपस्थिति का विस्तार करके बहुत उत्साहित हैं।

ब्रांड की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, यह उद्घाटन भारत के मिड-स्केल सेगमेंट में बढ़ते बाजार अवसर को दर्शाता है। नागपुर केवल राज्य की शीतकालीन राजधानी ही नहीं, बल्कि यहां के प्रगतिशील आईटी और उत्पादन क्षेत्र के कारण इसका व्यावसायिक महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है।" 87 कमरों वाला जिंजर नागपुर सिटी सेंटर शहर के मध्य में स्थित है, जिससे यह व्यावसायिक और सांस्कृतिक स्थलों के करीब है। यह होटल व्यापार और आरामदायक प्रवास की तलाश करने वाले यात्रियों के लिए सुविधाजनक केंद्र है।

जिंजर होटल के 'ऑल-डे-क्यूमिन' डाइनिंग सेवा में मेहमानों को विभिन्न देशों के और स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, होटल में आधुनिक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक जिम और बैठक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। 'ऑरेंज सिटी' के नाम से प्रसिद्ध नागपुर भारत के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के शीर्ष 10 शहरों में शामिल है। जिंजर नागपुर सिटी सेंटर के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया जिंजर की अधिकृत वेबसाइट पर जाएं।

बीएएसएफ का अभियान: असाधारण किसानों को समर्पित पहल

मुंबई.

बीएएसएफ ने अपने 'वाह रे किसान' अभियान का शुभारंभ किया है (यह ''सैल्यूट टू फार्मर्स'' का हिन्दी रूपांतरण है). यह अभियान बीएएसएफ के धरती पर किए जाने वाले सबसे बड़े काम के संबंध में चलाए जा रहे अभियान का एक हिस्सा है और इसके अंतर्गत अपने समुदायों और भारत के कृषि परिदृश्य में बदलाव ला रहे 5 किसानों की खासियत बताकर भारत के किसानों का पक्ष-समर्थन किया जा रहा है. बीएएसएफ ने अन्नू कपूर को यह अभियान होस्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी है, और इन एपिसोड्स को विशेष रूप से बीएएसएफ के यूट्यूब और फेसबुक चैनल पर प्रसारित किया जाएगा.

इस श्रृंखला को शुरू करने से पहले एक महीने तक सोशल मीडिया अभियान चलाकर किसानों को अपनी कहानियाँ प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था और इसे 'वाह रे किसान' अभियान के लिए सबसे प्रेरणादायक कहानियाँ प्रस्तुत करने वाले 5 किसानों के चयन के साथ समाप्त किया गया था. एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस बीएएसएफ एसई के अध्यक्ष लिवियो टेडेस्की ने कहा कि ''धरती पर सबसे बड़ा काम बीएएसएफ एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस का वैश्विक अभियान है और इसके अनुसार ऐसे किसानों की कहानी सबके सामने आनी चाहिए और उनकी सराहना की जानी चाहिए.

भारत की भौगोलिक परिस्थितियाँ और कृषि पद्धतियाँ अत्यंत विविधतापूर्ण हैं और इसके साथ मैं 'वाह रे किसान' में दिखाए गए इन 5 नवाचारी किसानों से मिलकर बहुत खुश हूँ और मुझे उम्मीद है कि कृषि में सभी के लिए एक संवहनीय भविष्य की तलाश करने के लिए उनके साथ हमारे काम करने पर कई और किसान आगे आने के लिए प्रेरित होंगे.

बीएएसएफ एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस, इंडिया के बिजनेस डायरेक्टर गिरिधर रानुवा ने कहा कि ''हम 'वाह रे किसान' का शुभारंभ करते हुए और पूरे भारत में किसानों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए अत्यंत उत्साहित हैं.'' 'वाह रे किसान' वर्तमान में सोशल मीडिया पर 35 करोड़ तक पहुँच गया है और मेरा मानना है कि किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान देना ज़रूरी है. इन इंफो-टेनमेंट एपिसोड्स के माध्यम से हम उम्मीद करते हैं कि इससे हमारे किसानों के अत्यधिक रचनात्मक प्रयासों के बारे में उन लोगों के बीच चर्चा होगी, जो संभवत: शहरों में रहते हैं और उन्हें बड़ी ही आसानी से अनदेखा कर देते हैं, क्योंकि वे उस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हैं, जिससे उनका भोजन उत्पादित होता है. इन पाँच किसानों की कहानियों को भारत के मशहूर फिल्म और टेलीविजन अभिनेता,अन्नू कपूर द्वारा होस्ट किया जा रहा है. वर्ष 2025 के आने वाले महीनों में बीएएसएफ 'वाह रे किसान' के दूसरे सीज़न में नए किसानों को पेश करने की योजना बना रहा है, जिनकी अलग कहानियाँ सुनने-देखने को मिल सकती हैं.

330 करोड़ में बिका टाटा का बिजनेस

नई दिल्ली. देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना टाटा ग्रुप रतन टाटा के निधन के बाद एक नए दौर से गुजर रहा है. जिसमें नए फैसले से लिए जा रहे हैं. जिस तरह के फैसले रतन टाटा के दौर में नहीं लिए गए. अब ऐसा ही फैसला सामने आया है, जिससे हर कोई हैरान है. टाटा ग्रुप ने अपने एक बिजनेस को विदेशी कंपनी के हाथों में बेच दिया है. विदेशी कंपनी के साथ ये डील 330 करोड़ रुपए हुई है. वास्तव में टाटा कंयूनिकेशन ने अपने एक बिजनेस को ऑस्ट्रेलियाई कंपनी फाइंडी को टाटा कम्युनिकेशंस पेमेंट सॉल्यूशंस की अपनी 100 फीसदी हिस्सेदारी बेच दी है. ये डील फाइंडी की भारतीय यूनिट ट्रांजेक्शन सॉल्यूशंस इंटरनेशनल की हुई है. आरबीआई ने इस डील को हरी झंडी दिखा दी है. नवंबर 2024 में हुई इस डील की वैल्यू 330 करोड़ रुपए बताई जा रही है. जिसमें इंटरचेंज रेट एडजस्टमेंट के आधार पर 75 करोड़ रुपए एक्स्ट्रा भी शामिल किए गए हैं. आइए आपको भी इस पूरी डील के बारे में बताते हैं.

टाटा कंयूनिकेशन के साथ हुई इस डील के बाद ऑस्ट्रेलियाई कंपनी फाइंडी की मौजूदगी भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में बढ़ेगी. फाइंडी का कहना है कि वो उन लोगों को सर्विस देना चाहते हैं जो देश में बैंकिंग सेवाओं से दूर हैं. मौजूदा समय में कंपनी एटीएम ऑपरेशन और डिजिटल पेमेंट में काम कर रही है. कंपनी फुल पेमेंट बैंक के रूप में कंवर्ट होने की प्लानिंग कर रही है. ऐसे में टाटा के एटीएम बिजनस का टेकओवर उसकी पॉलिसी के तहत है. ट्रांजेक्शन सॉल्यूशंस इंटरनेशनल मौजूदा समय में पूरे देश में 7500 से अधिक 'ब्राउन लेबल' एटीएम चला रही है. टीएसआई की देश के 12 बैंकों एसबीआई, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी और एचडीएफसी आदि के साथ साझेदारी भी हैं.

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां छह माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली. निर्यात में करीब 14 वर्षों में सबसे तेज वृद्धि के कारण देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां जनवरी, 2025 में बढ़कर छह महीने के उच्च स्तर 57.7 पर पहुंच गईं। एचएसबीसी इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर, 2024 में एक साल के निचले स्तर 56.4 फीसदी पर आ गया था। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भार) प्रांजुल भंडारी ने कहा, घरेलू मांग और अंतरराष्ट्रीय बिक्री मजबूत रहने से नए ऑर्डर में वृद्धि को समर्थन मिला। भारत में विनिर्माताओं ने उत्पादन की मात्रा को बढ़ाना जारी रखा। यह वृद्धि अक्तूबर, 2024 के बाद से सबसे तेज है।

पीएमआई का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा गिरावट का संकेत है। कीमतों के मोर्चे पर एचएसबीसी इंडिया ने कहा, कंपनियों पर लागत का दबाव 11 महीनों में सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गया। लागत से जुड़ी महंगाई लगातार दूसरे महीने घटी है, जिससे कंपनियों पर उत्पादन मूल्य बढ़ाने का दबाव कम हुआ। हालांकि, मांग में तेजी के कारण बिक्री मूल्य मजबूती से बढ़े हैं।

भंडारी ने कहा, बिक्री में जोरदार वृद्धि और गतिविधियां बढ़ने के आशावादी अनुमानों के कारण कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही की शुरुआत में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की। आंकड़े बताते हैं कि मजबूत रोजगार सृजन ने कंपनियों को अपने कार्यभार पर नियंत्रण रखने में सक्षम बनाया है।

सोने-चांदी की कीमतों में इजाफा

नई दिल्ली. भारतीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है. सोना अब 82 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी का भाव 93 हजार रुपये प्रति किलो ज्यादा है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 82963 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 93475 रुपये है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सोमवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 82704 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (मंगलवार) सुबह महंगा होकर 82963 रुपये पहुंच गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी की कीमत में उछाल आया है. 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 82631 रुपये प्रति 10 ग्राम है. वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाले गोल्ड प्राइस 75994 रुपये प्रति 10 ग्राम है. 750 (18 कैरेट) प्योरिटी वाले गोल्ड का रेट 62222 रुपये प्रति 10 ग्राम है. वहीं, 585 (14 कैरेट) प्योरिटी वाले सोने का भाव 48533 रुपये प्रति 10 ग्राम है. गोल्ड और सिल्वर का प्राइस आप मिस्ड कॉल से भी चेक कर सकते हैं. 22 कैरेट और 18 कैरेट गोल्ड की कीमत जानने के लिए आप 8955664433 पर मिस्ड कॉल दे सकते हैं. कुछ ही देर में आपको एसएमएस के जरिए रेट की जानकारी मिल जाएगी. बता दें कि इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग प्योरिटी के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है. ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं. जारी किए गए रेट देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है. बता दें कि गहने खरीदते समय सोने या चांदी के रेट टैक्स समेत होने की वजह से ज्यादा होते हैं.

दालों की आसमान छूती कीमतें सरकार के लिए थीं सिरदर्द

नई दिल्ली. भारत में दाल आम आदमी का सबसे बेसिक प्रोटीन सोर्स है, लेकिन बीते कई सालों में इसकी मात्रा कम हुई है, क्योंकि महंगाई की वजह से इसका इनटेक कम हुआ है. दालों की आसमान छूती कीमतें सरकार के लिए भी सिरदर्द बनी हुई हैं क्योंकि ये देश में फूड इंफ्लेशन को बढ़ाने का भी काम करती हैं. इसलिए सरकार ने बजट 2025 में दालों में आत्मनिर्भरता के लिए योजना पेश की है. लेकिन भारत के लिए ये असलियत में कितना चुनौतीपूर्ण है. केंद्र सरकार ने बजट 2025 में दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 1,000 करोड़ रुपए रखे हैं.

इस योजना का मकसद दालों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और गोदामों की व्यवस्था करना है. भारत में दलहन की 3 फसलें होती हैं और सरकार इन तीनों को ही संबल देना चाहती है. निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि नेफेड और एनसीसीएफ दोनों संस्थाएं दालों की खरीद के लिए तैयार हैं. जो भी किसान इन एजेंसी के साथ रजिस्टर कराएंगे, ये एजेंसी उन किसानों से जितनी वो देना चाहें, उतनी पूरी की पूरी दाल खरीद लेंगे."

भारत को खाद्य तेल और दालों की अपनी जरूरत की बड़ी मात्रा का इंपोर्ट करना होता है. भारत, जहां कृषि आबादी करीब 50 प्रतिशत है. उसके लिए ये चिंता की बात है. ऐसे में दालों का बढ़ता आयात और भी बड़ी समस्या है. अप्रैल-नवंबर 2024 में भारत का दलहन आयात 3.28 अरब डॉलर का रहा है. ये 2023 की इसी अवधि के 2.09 अरब डॉलर के आयात के मुकाबले 56.6 प्रतिशत अधिक है. अगर आयात की दर यही रही, तो चालू वित्त वर्ष में भारत का दाल इंपोर्ट 5.9 अरब डॉलर हो जाएगा. ये 2016-17 के अब तक के सबसे ऊंचे 4.24 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा. 2013-14 से 2016-17 के बीच भारत का दाल आयात तेजी से बढ़ा था.

फिर 2017-18 में सरकार ने इस दिशा में काम करना शुरू किया और दालों के आयात में कमी आई है. मटर और चना जैसी फसल में भारत का आयात सबसे ज्यादा घटा है. लेकिन अब ये फिर बदलाव हो गया.2023-24 के दौरान देश में सूखा बढ़ा और दालों के उत्पादन में कमी आई. इसके बाद मसूर और मटर के आयात में फिर बढ़ोतरी हुई. इस बार सरकार ने दालों के घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ाने पर जोर दिया है.

'प्रगति की रोशनी, तकनीक संग कैंसर देखभाल की नई कहानी'

नई दिल्ली.

विश्व कैंसर दिवस को "यूनाइटेड बाय यूनिक" बनाने कि थीम, जो कैंसर उपचार और देखभाल के लिए व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को समर्पित तीन साल के अभियान की शुरुआत होगी। यह पहल कैंसर के साथ लड़ाई में हर मरीज़ की व्यक्तिगत यात्रा पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो चिकित्सा प्रोटोकॉल के साथ-साथ व्यक्तिगत अनुभवों पर भी विचार करने को प्रेरित करेगी।

2020 में भारत में लगभग 11 लाख 60 हजार नए कैंसर के मामले सामने आए। इनमें महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल के बीच असमानताएं स्पष्ट रूप से देखी गईं। इस असमानता का मुख्य कारण किफायती कैंसर उपचार की पहुंच का अभाव था, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से मरीज पारंपरिक दवाओं पर निर्भर रहते हैं। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए जरूरी है कि कैंसर उपचार को सस्ती और सुलभ बनाया जाए, ताकि कोई भी मरीज उनके स्थान या वित्तीय स्थिति के कारण इलाज से वंचित न रहे। कैंसर का निदान मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। अध्ययनों से पता चला है कि 70 प्रतिशत कैंसर मरीज मानसिक तनाव से जूझते हैं।

इसलिए, कैंसर के उपचार में मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मानसिक स्वास्थ्य को उपचार का हिस्सा बनाकर मरीजों को बेहतर मानसिक स्थिति में लाया जा सकता है, जिससे उनका समग्र स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता में सुधार होता है। भारत में कैंसर के इलाज और देखभाल के क्षेत्र में प्रगति हो रही है, लेकिन यह सुनिश्चित करना कि ये लाभ सभी मरीजों तक पहुंचे, एक बड़ी चुनौती है। हमें इन नई तकनीकों और उपचार विकल्पों को हर क्षेत्र और हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता है।

ऑन्कोसर्जन की महत्वपूर्ण भूमिका

ऑन्कोसर्जन कैंसर के खिलाफ मरीज की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कैंसर के ट्यूमर को शल्य चिकित्सा द्वारा हटा कर रोग के पुनरावृत्ति के जोखिम को कम करते हैं। इसके साथ ही, वे कीमोथेरेपी और रेडिएशन जैसे अन्य उपचार विकल्पों में भी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह बहुविषयक दृष्टिकोण मरीजों के उपचार और देखभाल में क्रांति लाता है और उनकी जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाता है।

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र सह्याद्री
• महालक्ष्मी विकली लॉटरी •
सोडत वार. 4:30 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 05 • तिकीट कि. रु. 15/- • सोडत दिनांक 04/02/2025
पहिले सामाईक बक्षिस रु. 10000/- SM-07 : 3218
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- 4628 किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- 1838 1953 3271
चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1101	2288	3060	3883	4940
1164	2298	3193	3973	4964
1652	2510	3275	4047	5170
1978	2556	3699	4067	5279
2052	2646	3731	4238	5446
2073	2702	3786	4575	5563
2224	2754	3793	4724	5584
2235	2860	3876	4779	5605

महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत तिकीट किंमत रु. 50/- सोडत दिनांक 11-02-2025
22 लाख 2 लाख 12 लाख
महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी सोडत दिनांक 04/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगल विकली लॉटरी
सोडत वेळ 4:45 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 05 • तिकीट कि. रु. 20/- • सोडत दिनांक 04/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	8476	0555	4460	0764	3735

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- 5690 8125
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- 0186 3601 4075 4319 7274
चौथे बक्षिस रु. 1000/- 2222 3095 3189 5172 5813 5983 6464 6902 7236 8386
पाचवे बक्षिस रु. 500/- 0916 1527 3085 3301 5316 5673 6645 8075 8886 9883
सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-	0818	1891	2522	3332	4694	5543	6617	7507	8339	9196
	0906	1923	2552	3453	4704	5550	6624	7680	8359	9207
0011	1030	1961	2618	3493	4722	5580	6656	7681	8419	9400
0013	1071	2023	2699	3633	4749	5590	6668	7737	8423	9501
0044	1102	2032	2732	3673	4773	5652	6676	7759	8448	9582
0054	1109	2093	2786	3832	4784	5693	6681	7772	8494	9643
0056	1132	2129	2827	3836	4813	5701	6695	7824	8529	9654
0092	1162	2226	2862	3913	4881	5728	6824	7970	8540	9678
0140	1191	2240	2920	3955	5021	5833	6861	8080	8608	9682
0207	1296	2258	2941	4025	5052	5837	6895	8114	8611	9783
0270	1315	2281	3020	4065	5058	5972	6986	8161	8787	9869
0372	1446	2322	3082	4178	5130	6066	7057	8164	8819	9892
0405	1469	2323	3091	4359	5193	6091	7077	8167	8979	9901
0416	1521	2329	3109	4413	5229	6181	7089	8178	9003	9906
0420	1711	2392	3133	4450	5296	6206	7127	8217	9015	9919
0599	1761	2451	3185	4451	5376	6365	7229	8222	9054	9935
0633	1776	2456	3273	4534	5415	6436	7293	8227	9086	9937
0665	1791	2462	3293	4642	5497	6586	7485	8260	9135	9947
0730	1835	2512	3320	4643	5515	6615	7502	8268	9175	9999

महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत सोडत दिनांक 25/02/2025
14 लाख 2.5 लाख तिकीट किंमत 20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगळ विकली लॉटरी सोडत दिनांक 04/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र के सरकारी दफ्तरों में मराठी अनिवार्य

फडणवीस सरकार का बड़ा फैसला

मुंबई.

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है. सूबे के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अब से सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और नगर निगम कार्यालयों में मराठी भाषा बोलना अनिवार्य कर दिया गया है. अब सभी सरकारी दफ्तरों में मराठी में बोलने और काम करने के लिए साइन बोर्ड लगाए जाएंगे

साथ ही सरकारी कंप्यूटरों में भी मराठी भाषा का कीबोर्ड अनिवार्य होगा. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे के फग्यूर्सन कॉलेज में तीसरे 'विश्व मराठी सम्मेलन' में बोलते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI के जरिए मराठी साहित्य को डिजिटल रूप में संरक्षित करने पर जोर दिया.

उन्होंने मराठी भाषा विभाग को AI-आधारित भाषा मॉडल विकसित करने का निर्देश दिया ताकि मराठी साहित्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके. सीएम ने राज्य के मराठी भाषा विभाग को मराठी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए AI का इस्तेमाल करके एक छोटा भाषा मॉडल विकसित करने का निर्देश दिया. वहीं अगर कोई सरकारी अधिकारी इस नियम का उल्लंघन करता है तो आवश्यक कार्रवाई के लिए कार्यालय या विभाग के प्रभारी के पास औपचारिक शिकायत दर्ज की जा सकती है.

'मराठी भाषा को मिली आधिकारिक पहचान'

❐ केंद्र सरकार ने पिछले साल मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया था. इस पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि मराठी हमेशा से शास्त्रीय भाषा रही है, लेकिन अब इसे आधिकारिक पहचान भी मिल गई है. उन्होंने यह भी कहा कि मुगल काल में जब फारसी को 'राजभाषा' बनाया गया था उस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज ने मराठी को स्वराज्य की आधिकारिक भाषा बनाया था. उन्होंने ने ही मराठी को इसकी शाही मान्यता दिलाई.

विदेशों में 'मराठी सम्मेलन' का आयोजन

❐ फडणवीस ने मराठी भाषा को विदेशों में पहचान दिलाने के लिए सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'मराठी सम्मेलन' आयोजित किया जाना चाहिए. इसके लिए विभिन्न देशों में बसे मराठी मंडलों से विचार-विमर्श किया जाएगा. उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि हमें विदेशों में विभिन्न मराठी मंडलों के साथ इस विचार पर बात करना चाहिए और यह तय करना चाहिए कि कौन सा देश या शहर मराठी 'मराठी सम्मेलन' आयोजित करने के लिए सबसे उपयुक्त होगा.

मुंबई महानगरपालिका ने पेश किया 74,000 करोड़ का बजट

मुंबई.

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुंबई महानगरपालिका का 74427.41 करोड़ रुपए का बजट मंगलवार 4 फरवरी को अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त अभिजीत बांगर ने महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी के समक्ष प्रस्तुत किया। आगामी बजट का आकार चालू वित्त वर्ष से 9246.62 करोड़ रुपये अधिक है, जो पिछले बजट से 14.19 प्रतिशत अधिक है। विभिन्न विकास कार्यों के लिए 43165.23 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नगर निगम को चालू वित्तीय वर्ष में सौंदर्यीकरण, सड़कों के कंक्रीटीकरण तथा अन्य प्रमुख परियोजनाओं पर बड़ी मात्रा में धनराशि खर्च करनी पड़ी है। इसके लिए नगर निगम की जमापूंजी को तोड़ना पड़ा। इसे ध्यान में रखते हुए राजस्व वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

चाकू की नोंक पर कॉलेज के युवक से लूट

पुणे.

लश्कर इलाके में एक घटना घटी जहां एक कॉलेज छात्र से चाकू की नोंक पर नकदी लूट ली गई।

इस मामले में चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इस संबंध में एक युवक ने लश्कर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के अनुसार दो चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता युवक लश्कर इलाके के एक कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है। वह सोमवार को सुबह करीब 5:45 बजे पूना कॉलेज परिसर से दोपहिया वाहन पर निकले थे। पूना कॉलेज के पास सड़क पर दो चोरों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने उसे चाकू से मार डालने की धमकी दी। चोरों ने युवक के साथ मारपीट की और उससे 1200 रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गए। पुलिस उपनिरीक्षक राहुल घाडगे मामले की जांच कर रहे हैं। बंडगार्डन पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने पुणे रेलवे स्टेशन के पास सड़क पर एक पान-पत्ती चालक को लोहे की छड़ से धमकाकर उससे 5,000 रुपये की नकदी लूट ली थी। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अनस खान (उम्र 24, निवासी चूड़ामन तालीम, भवानी पेठ) के रूप में हुई है। जुनैद निहाल खान (उम्र 24, निवासी साईबाबानगर, कोंढवा) ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

जुनैद की पुणे रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक दुकान है। सोमवार की सुबह आरोपी अनस पानपट्टी आया। उसने कोयोट का डर दिखाकर जुनैद को जान से मारने की धमकी दी। गल्ले से पांच हजार रुपये नकद लूट लिये गये। उन्होंने पास के एक स्टॉल चालक को धमकाया और उससे पैसे की मांग की। उसने एक कार की खिड़की तोड़ दी और इलाके में दहशत फैला दी। पुलिस उपनिरीक्षक संदीप खेड़कर जांच कर रहे हैं।

अलीबाग सफेद प्याज की मांग में बढ़ोत्तरी

अलीबाग.

अलीबाग का बहुप्रतीक्षित सफेद प्याज बाजार में आना शुरू हो गया है। लंबे समय तक बारिश होने के कारण इस वर्ष सफेद प्याज की आवक सामान्य से देर से हुई है। किसानों ने संभावना जताई है कि प्याज का सीजन अभी शुरू ही हुआ है, इसलिए अगले कुछ दिनों तक प्याज की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी। किसानों को उम्मीद है कि वे एक प्याज 250 से 300 रुपये में बेचेंगे। अपने स्वादिष्ट स्वाद और औषधीय गुणों के कारण अलीबाग के सफेद प्याज की बाजार में काफी मांग है। यह प्याज आमतौर पर जनवरी के दूसरे पखवाड़े में बाजार में आना शुरू

हो जाता है।

प्याज की कीमत में गिरावट इसलिए आ रही है क्योंकि आपूर्ति मांग से कम है। इस वर्ष भी 250 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर यह प्याज लगाया गया है और प्याज बाजार में आना शुरू हो गया है। इस प्याज की खेती मुख्य रूप से अलीबाग तालुका के नेहुली, खंडेल, कार्ले और तलवली गांवों में की जाती है। किसान आमतौर पर चावल की कटाई के बाद अक्टूबर के उत्तरार्ध में इस प्याज की जैविक खेती करते हैं। प्याज नब्बे दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। वर्तमान में प्याज की कटाई का काम जोरों पर शुरू हो गया है, तथा सूखे प्याज की लड़ू बनाने का काम भी शुरू हो गया है। इससे महिलाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिल रहा है। व्यापारी किसानों के खेतों में प्याज चुनने आ रहे हैं और नए प्याज के अच्छे दाम भी मिल रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस प्याज में औषधीय गुण हैं। प्याज में मिथाइल सल्फाइड और अमीनो एसिड होते हैं। जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। प्याज पेट की गर्मी को कम करने में उपयोगी है। इस प्याज को इसके औषधीय गुणों और स्वाद के कारण भौगोलिक पदनाम दिया गया है।

लाखों विद्यार्थियों ने किया सूर्य नमस्कार

बदलापुर. रथ सप्तमी के अवसर पर मंगलवार को मुरबाड विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में करीब एक लाख विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार किया। विधायक किसन कथोरे की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में बदलापुर, मुरबाड और कल्याण तालुका के स्कूलों और कॉलेजों ने भाग लिया। मंगलवार को बदलापुर, मुरबाद और कल्याण तालुका के विभिन्न स्कूलों में सुबह से ही विद्यार्थी सूर्य नमस्कार करने में व्यस्त रहे। बदलापुर पूर्व स्थित आदर्श शिक्षण संस्थान के भव्य प्रांगण में सुबह से ही चार अलग-अलग स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं एकत्रित होने लगे थे। सुबह करीब आठ बजे विद्यार्थियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार किया। मुरबाड विधानसभा क्षेत्र के विधायक किसन कथोरे की पहल पर रथ सप्तमी के अवसर पर एक लाख सूर्य नमस्कार की पहल की गई। पिछले एक महीने से लगभग 117 कॉलेजों और 250 स्कूलों में इस कार्यक्रम की तैयारियां चल रही हैं। एक महीने से 200 से अधिक प्रशिक्षक ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से अभ्यास कर रहे थे। इसलिए विधायक किसन कथोरे ने बताया कि इस पहल में मंगलवार को करीब एक लाख विद्यार्थियों, शिक्षकों, नागरिकों और कर्मचारियों ने सूर्य नमस्कार किया। मुंबई विश्वविद्यालय और डॉ. कथोरे ने कहा कि कुकरेजा के सहयोग से यह पहल सफलतापूर्वक पूरी हुई।

खुदाई के दौरान गैस रिसाव

वसई.

वसई पूर्व के अग्रवाल नगरी में सीवर खुदाई के दौरान गैस रिसाव हुआ। दुर्घटना सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुई। लेकिन सौभाग्य से कोई दुर्घटना नहीं घटी। लेकिन इस गैस रिसाव से निवासियों में काफी दहशत फैल गई। यहां गैस की आपूर्ति कुछ समय के लिए बाधित रही। वसई पूर्व के अग्रवाल नगरी में समर्पण बिल्डिंग के सामने सीवरेज का काम चल रहा है। ठेकेदार के मजदूरों ने सोमवार को सुबह 11 बजे खुदाई शुरू की। उस स्थान पर गुजरात गैस कंपनी की भूमिगत पाइपलाइनें थीं।

हालाँकि, श्रमिकों की अनिश्चितता के कारण गैस पाइपलाइन फट गई। इससे बड़े पैमाने पर गैस रिसाव हुआ। इससे इलाके के निवासियों में दहशत फैल गई। समर्पित इमारत में 70 अपार्टमेंट और 13 दुकानें हैं। उनमें सनसनी फैल गई। दुकानदार डर के मारे अपनी दुकानें बंद कर बाहर भाग गए। अमीराती इमारत के निवासी भी नीचे उतर आये। निवासियों ने तुरंत गुजरात गैस कंपनी और नगर निगम के अग्निशमन विभाग को बुलाया। इसके कारण कुछ समय के लिए इमारत में गैस की आपूर्ति बाधित हो गई। यहां के निवासी दोपहर का खाना भी नहीं बना पा रहे थे, क्योंकि उनके पास पाइप गैस के अलावा कोई विकल्प नहीं था। निवासियों ने ठेकेदार की लापरवाही पर रोष व्यक्त किया। ठेकेदार के कर्मचारी सुबह करीब 11 बजे काम पर पहुंचे। कुछ ही देर में गैस लीक होने लगी। समर्पण बिल्डिंग निवासी विक्रम शुक्ला ने बताया कि सीवर का काम करते समय ठेकेदार कोई ब्लूप्रिंट लेकर नहीं आया और न ही इस काम के बारे में किसी को कोई जानकारी दी गई। यहां निकट ही महावितरण का शाखा कार्यालय है।

उन्होंने कहा कि गैस लीक हुई थी लेकिन सौभाग्य से कोई दुर्घटना नहीं हुई। पिछले साल 30 अप्रैल को नालासोपारा पूर्व के अछोले स्थित द्वारका होटल में ऐसे ही गैस रिसाव के कारण आग लग गई थी। आग में द्वारका होटल के कर्मचारियों सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां भी, जब नगरपालिका का ठेकेदार सीवर का काम कर रहा था, तब गुजरात गैस की पाइपलाइन फट गई। सामने स्थित द्वारका होटल के रसोईघर में गैस विस्फोट के कारण आग लग गई।

बिस्तर के नीचे दबी तिजोरी से चोरी

पुणे. लोनी कालभोर इलाके में एक बंगले के बेडरूम में गुप्त रूप से बनाई गई तिजोरी से चोरों द्वारा 15 लाख रुपये के सोने के गहने चुराने का खुलासा हुआ है। इस मामले में लोनी कालभोर पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। याबत स्टीफन विक्टर वेलेरियन लासराडो (उम्र 51, निवासी कोलास वस्ती रोड, लोमी कालभोर) ने लोमी कालभोर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। मूल रूप से बैंगलोर के रहने वाले स्टीफन कुवैत में काम करते हैं। उन्होंने लोनी कलभोर इलाके में एक बंगला बनाया है। उन्होंने बंगले के शयनकक्ष के फर्श के नीचे एक तिजोरी बना रखी थी। उन्होंने बंगला बनाते समय यह विशेष तिजोरी बनवाई थी। बंगला दो दिन पहले बंद कर दिया गया था।

स्वच्छ सर्वेक्षण के मद्देनजर नगर निगम अलर्ट पर

पिंपरी.

शहर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत फरवरी में 2024 का स्वच्छ सर्वेक्षण किया जाएगा। इस संबंध में पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम द्वारा विभिन्न पहल की गई हैं। क्षेत्रीय कार्यालय क्षेत्र में घरेलू कचरा एकत्र करने वाले वाहनों पर सफाई कर्मचारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर प्रशिक्षण का पहला चरण पिंपरी के संत तुकारामनगर स्थित आचार्य अत्रे रंगमंदिर में 'ए' और 'बी' क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त सचिन पवार, स्वास्थ्य कार्यकारी अधिकारी गणेश देशपांडे, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्रीराम गायकवाड़, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुधीर वाघमारे, राजू साबले, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक भूषण शिंदे, दत्तात्रेय गंगे, स्वास्थ्य निरीक्षक रूपाली साल्वे, संतोषी कदम, वैभव केचन गौदार, इस अवसर पर मुकेश जगताप, लक्ष्मण साल्वे, स्नेहा चांदने उपस्थित थे। सचिन पवार ने कहा, 'शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। सफाई मित्रों को सफाई कार्य करते समय उपयुक्त औजारों और उपकरणों का उपयोग करना चाहिए।

कर्मचारियों को नगर निगम द्वारा दिए गए प्रशिक्षण को आत्मसात करना चाहिए और इसे अपने दैनिक कार्यों में लागू करना चाहिए। स्वास्थ्य निरीक्षकों और सफाई मित्रों को सफाई करते समय सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। "अच्छी स्वास्थ्य आदतें अपनाएं और नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं।" सचिन पवार म्हणाले, 'शहराला स्वच्छ व सुशोभित ठेवण्यामध्ये आरोग्य कर्मचाऱ्यांची भूमिका महत्वाची आहे. स्वच्छतेचे काम करताना सफाई मित्रांनी उपयुक्त साधने व उपकरणे वापरणे आवश्यक आहे. महापालिकेच्या वतीने देण्यात येणारे प्रशिक्षण कर्मचाऱ्यांनी आत्मसात करून त्याचा दैनंदिन कामामध्ये अवलंब करावा. आरोग्य निरीक्षक व सफाई मित्र यांनी स्वच्छता करताना सुरक्षा साधनांचा वापर करावा. आरोग्याच्या चांगल्या सवयींचा अंगीकार करावा, आरोग्याची वेळोवेळी तपासणी करावी'. 'कॅम फाऊंडेशन' यांच्याकडून क्षेत्रीय कार्यालयातील 'अ', 'ब' मधील महापालिका, ठेकेदार व कंत्राटी सफाई कर्मचारी यांना प्रशिक्षण देण्यात आले. तसेच सफाई कर्मचाऱ्यांना पीपीई कीटचा वापर करण्याबाबत मार्गदर्शन करण्यात आले.

लोनावला, भारत के महाराष्ट्र राज्य के पुणे ज़िले में स्थित एक हिल स्टेशन और नगर है।' लोनावला दो प्रमुख शहरों पुणे और मुंबई के बीच, पुणे से 64 कि.मी. और मुंबई से 96 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। भारत भर में लोनावला इसकी प्रसिद्ध मिठाई चिक्की के लिए प्रसिद्ध है। यह पुणे और मुंबई के बीच के रेलमार्ग पर स्थित एक प्रमुख स्टेशन भी है। पुणे और मुंबई के बीच स्थित दोनों प्रमुख सड़कों, मुम्बई-पुणे द्रुतगति मार्ग और मुंबई-पुणे राजमार्ग पर भी यह पड़ता है। मानसून के दौरान यह जीवंत हो उठता है, जब चारों ओर हरियाली छा जाती है और सभी सूखे झरने और तालाब पानी से भर जाते हैं।

पहले लोकशाही दिवस पर सिर्फ दो शिकायतें

पिंपरी. नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का निष्पक्ष और त्वरित समाधान करने तथा नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा शुरू किए गए पहले लोकशाही दिवस को नागरिकों की ओर से कम प्रतिक्रिया मिली। 30 लाख की आबादी वाले शहर में पहले लोकसभा दिवस पर केवल दो शिकायतें प्राप्त हुईं। नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का निष्पक्ष और शीघ्र समाधान करने तथा नागरिकों के लिए बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से आयुक्त एवं प्रशासक शेखर सिंह के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा प्रत्येक माह के पहले सोमवार को लोकशाही दिवस का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

नागरिकों और प्रशासन के बीच संचार बढ़ाकर एक जन-उन्मुख, गतिशील प्रशासन का निर्माण करना। इस अवसर पर अपर आयुक्त चंद्रकांत इंदलकर, उपायुक्त व समन्वय अधिकारी राजेश आगाले, कार्यकारी अभियंता एस.एन. नरोटे, कार्यकारी अभियंता सूर्यकांत मोहिते, प्रशासन अधिकारी अधिकारी श्रद्धा बोर्डे, उप अभियंता विकास घारे, नरेश जाधव, कनिष्ठ अभियंता संतोष जगदाले, ए. एम। इस अवसर पर वाकोडे उपस्थित थे।

अनियंत्रित वाहन चालकों पर लगा जुर्माना

नासिक. अनियंत्रित वाहन चालकों पर लगाम लगाने के लिए यातायात विभाग द्वारा शहर क्षेत्र में यातायात नियमों के तहत विभिन्न अभियान और कार्रवाई की जा रही है। यातायात शाखा द्वारा की गई कार्रवाई में 22 दिन में 18 लाख 90 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। शहर की यातायात पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रही है कि नागरिक यातायात नियमों का पालन करें और दुर्घटनाओं की संख्या कम करें। इसके तहत परिवहन विभाग द्वारा 13 जनवरी से 3 फरवरी तक शहर में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई। गलत दिशा में चलने वाले 1,008 वाहनों, सिग्नल तोड़ने वाले 1,191 वाहनों, क्षमता से अधिक सामान ले जाने वाले 230 वाहनों, बिना रिफ्लेक्टर वाले 120 वाहनों, बिना रिफ्लेक्टर वाले 1,211 वाहनों तथा निर्धारित दिशा के बावजूद फ्लाईओवर पर चलने वाले 404 दोपहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। आज आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे।

वृषभ -आज का दिन आपके लिए उम्मीदों से भरा रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपको ज्यादा ध्यान देने की जरूरत पड़ेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कर्क-आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए खुशियां लेकर आने वाला है। यदि आप किसी दूसरी नौकरी की तलाश कर रहे थे.

सिंह- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आप अपने आप को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कन्या-आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। घर परिवार में लोग आपके कामों की तारीफ करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। शौक मौज की चीजों पर आप अच्छा खासा धन व्यय करेंगे।

वृश्चिक-आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। धार्मिक कार्य में आपकी रुचि रहेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आज आप आनंद में समय व्यतीत करेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर अति उत्साहित होने से बचना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए संपत्ति संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे और आप किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी भी कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप आवेश में आकर खर्च न करें क्योंकि लोग आपको बहकाने की कोशिश करेंगे।

हर जिले में स्थापित होंगे 'कैंसर डे केयर सेंटर'

मरीजों को मिलेगी राहत

मुंबई.

केंद्र सरकार ने हाल ही में बजट में हर जिले में कैंसर रोगियों के लिए डे केयर सेंटर शुरू करने की घोषणा की है। इसके बाद अब जनस्वास्थ्य विभाग ने अगले एक-दो दिन में राज्य के हर जिले में कैंसर मरीजों के लिए डे केयर सेंटर शुरू करने का निर्णय लिया है। इसी पृष्ठभूमि में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर राज्य के छह जिलों में डे केयर सेंटर खोले जाएंगे, जिससे राज्य में कैंसर रोगियों को राहत मिलेगी। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबिटकर की संकल्पना के तहत विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कैंसर स्क्रीनिंग

एवं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य महाराष्ट्र में 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में मौखिक, स्तन और गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच करना है। इस अभियान के तहत स्थानीय एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य में कैंसर से पीड़ित सभी रोगियों को आवश्यक उपचार निःशुल्क मिले। इस उपचार के दौरान कैंसर रोगियों को डे केयर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। वर्तमान में राज्य के 14 जिलों में डे केयर सेंटर हैं। इसलिए शेष जिलों में मरीजों को डे केयर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अगले एक-दो माह में सभी जिलों में डे केयर सेंटर शुरू कर दिए जाएंगे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि कैंसर रोगियों के लिए डे केयर कीमोथेरेपी केंद्र छह जिलों - ठाणे, सोलापुर, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़ और वर्धा में शुरू किए जाएंगे।

नागरिकों में जागरूकता फैलाने की अपील

❐ स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि 'राज्य स्तरीय कैंसर जांच एवं जागरूकता अभियान' को सफल बनाने के लिए सभी जिला शल्य चिकित्सक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी (एमसीओ) आपस में समन्वय स्थापित कर अभियान के बारे में नागरिकों में जागरूकता पैदा करें.

मनसे का 'साइलेंसर शोर' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

मुंबई. कान फाड़ देने वाली आवाजें और पटाखों जैसी आवाजें करने वाली गोलियों का उत्पात सभी शहरों में रोजमर्रा की बात हो गई है। नागरिक अक्सर इस बारे में शिकायत करते हैं और समय-समय पर पुलिस कार्रवाई भी होती है, लेकिन गैर-जिम्मेदार बुलेट चालकों के कारण होने वाली समस्याएं कम नहीं होतीं। पुणे के निगडी में पुलिस कार्रवाई का इंतजार करने के बजाय महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने स्वयं कार्रवाई की। पिंपरी-चिंचवड़ मनसे शहर अध्यक्ष सचिन चिखल ने मनसे शैली में एक बुलेट चालक को थप्पड़ मारा है, जो बुलेट के साइलेंसर से तेज आवाज निकाल रहा था और लापरवाही से काम कर रहा था। माता अमृतानंद स्कूल, शिवभूमि स्कूल, मॉडर्न स्कूल, स्थानीय नागरिकों और निगड़ी की कॉलेज छात्राओं को इन बुलेट सवार छात्रों से अधिक परेशानी उठानी पड़ी। ऐसी शिकायतें मिलने के बाद मनसे ने यह कदम उठाया है। चिखले ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर बुलेट चालकों की पिटाई की और उन्हें जेल में डाल दिया।

सुविचार

इस संसार में हर जगह खुशियां ही खुशियां हैं।
बस देखने का नजरिया बदलो...

संपादकीय

रक्त के काले कारोबार पर लगानी होगी रोक

❐ रक्तदान महादान कहा जाता है, लेकिन कुछ लोगों ने इसे धंधा बना लिया है और मोटा मुनाफा कमाकर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। इससे रक्तदानियों के भरोसे को भी आघात लग रहा है। एक सप्ताह पहले जोबनेर इलाके में अवैध रूप से ले जा रहे रक्त के साथ पकड़े गए तीन जनों ने एक बार फिर से यह उजागर कर दिया कि खून का अवैध रूप से चल रहा कारोबार फलफूल रहा है। आरोपियों ने ये ब्लड 1300 रुपए में प्रति यूनिट बेचना स्वीकार किया था। इसके तार मकराना, जयपुर, सवाईमाधोपुर से भी जुड़े हैं। यह तो केवल बानगी थी, जबकि प्रदेशभर में ब्लड बैंकों की मिलीभगत से खून का काला कारोबार किया जा रहा है। जिस पर समय रहते रोक लगनी जरूरी है, जिससे रक्तदान करने वालों का विश्वास कायम रह सके। इससे पहले भी रक्त में मिलावट कर बेचने का खुलासा हो चुका है। वहीं प्रदेश के सबसे बड़े सवाईमानसिंह अस्पताल में भी खून की दलाली के मामले सामने आ चुके हैं। हाल ही मकराना में हुई रक्त की कालाबाजारी की घटना इसका ताजा उदाहरण है। वर्ष 2022 में भी खून में मिलावट करने का बड़ा मामला सामने आ चुका है। उस समय लखनऊ में दान में मिले रक्त में मिलावट कर उसकी मात्रा बढ़ाने और फिर दोगुने दाम में बेचने का खुलासा टीमों ने किया था। रक्त के इस काले कारोबार के तार राजस्थान के ब्लड बैंकों से भी जुड़े थे। कारोबारी जयपुर, सीकर और चौमूं के 8 विभिन्न ब्लड बैंकों से रक्त ले जाकर यह कारोबार कर रहे थे। उस समय चौमूं के दोनों ब्लड बैंकों को सीज कर दिया गया था। जांच के बाद वे फिर से चालू हो गए। ऐसे मामलों में ब्लड बैंकों की मिलीभगत भी जगजाहिर है। करीब दो साल पहले केंद्र सरकार की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए जारी आंकड़ों के मुताबिक रक्तदान के मामले में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर था। ऐसे में रक्त का काला कारोबार बढ़ता जा रहा है। हालांकि सरकार ने नियम कायदे बना रखे हैं, लेकिन नियमों को ताक में रखकर ब्लड बैंक संचालक मोटे मुनाफे के चक्कर में अपना ईमान बेच रहे हैं और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि सख्ती से इस काले कारोबार पर रोक लगाई जाए।

बच्चों को शिक्षित बनाना है

डिप्रेशन का शिकार नहीं

❐ फरवरी से सीबीएसई समेत देश के लगभग सभी राज्यों की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। यह समय न केवल बच्चों, बल्कि माता-पिता के लिए भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। परीक्षा के दौरान बच्चे पूरी तन्मयता से पढ़ाई में लगे रहते हैं, लेकिन कई बार अनावश्यक रूप से अभिभावकों की अपेक्षाएं बच्चों पर मानसिक दबाव डालती हैं। अपने बच्चे को टॉपर बनते देखने की चाह में माता-पिता उन पर कुछ ज्यादा ही दबाव बनाने लगते हैं। इसका असर बच्चे की मानसिक स्थिति पर पड़ता है और धीरे धीरे वह डिप्रेशन का शिकार होने लगता है। कई बार माता-पिता की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाने वाले ऐसे बच्चे आत्महत्या जैसा संगीन कदम तक उठा लेते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से 2024 में जारी 'छात्र आत्महत्या: भारत में महामारी' रिपोर्ट के अनुसार देश में छात्रों की ओर से की जाने वाली आत्महत्या की घटनाओं में चिंताजनक रूप से तेजी देखी जा रही है। छात्रों की आत्महत्या करने की यह दर, जनसंख्या वृद्धि दर से भी अधिक हो गई है। यही नहीं, यह दर आत्महत्या के अन्य कारकों में भी सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दशक में 0 से 24 वर्ष की आयु के बच्चों /किशोरों की जनसंख्या 582 मिलियन से घटकर 581 मिलियन हो गई, जबकि इसी वर्ग में आत्महत्याओं की संख्या 6,654 से बढ़कर 13,044 तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि केवल शिक्षा प्रणाली ही नहीं, बल्कि समाज विशेषकर माता-पिता की सोच में भी बदलाव लाने की जरूरत है। उन्हें यह बताने की आवश्यकता है कि परीक्षा में विफल होने का मतलब यह नहीं है कि उनके बच्चों के जीवन में अवसर खत्म हो गए हैं। भारत प्राचीनकाल से ही शिक्षा का केंद्र रहा है। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने शिक्षा को केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि नैतिकता और व्यावहारिक जीवन कौशल भी सिखाए हैं। यही कारण है कि दुनिया भर से यहां छात्रों पढ़ने के लिए आया करते थे। आज की शिक्षा प्रणाली को भी उसी दिशा में अग्रसर करने की आवश्यकता है। यदि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखा जाएगा तो वे व्यावहारिक जीवन में संघर्ष नहीं कर पाएंगे। इसलिए जरूरी है कि शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों और व्यावहारिक ज्ञान को सम्मिलित किया जाए। वहीं माता-पिता को भी यह समझना होगा कि हर बच्चा अलग मनोवृति का होता है। हर किसी की रुचि केवल पढ़ाई में नहीं होती है, कुछ बच्चे खेल, संगीत, नृत्य या अन्य कलाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। जरूरत है बच्चों की रुचि के अनुसार उसका मार्गदर्शन करना।

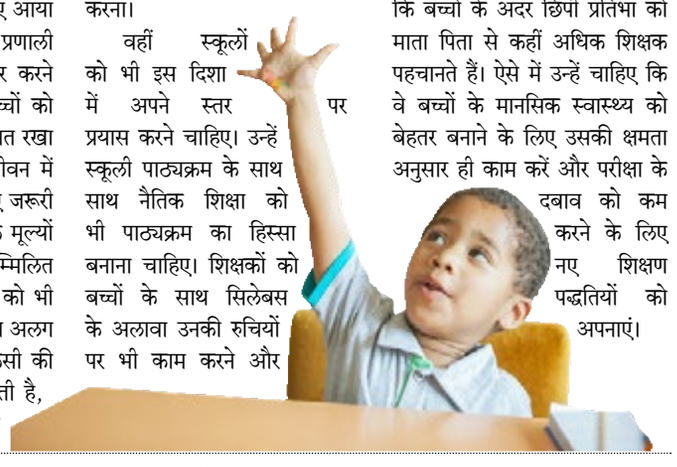

वहीं स्कूलों को भी इस दिशा में अपने स्तर पर प्रयास करने चाहिए। उन्हें स्कूली पाठ्यक्रम के साथ साथ नैतिक शिक्षा को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए। शिक्षकों को बच्चों के साथ सिलेबस के अलावा उनकी रुचियों पर भी काम करने और मार्गदर्शन करने की जरूरत है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपनी क्षमताओं से परिचित होते हैं। उन्हें बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने की जगह व्यावहारिक शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करना चाहिए। स्कूली शिक्षा पर कई दशकों से काम कर रहे शिक्षाविद अमृतांज इंदीवर कहते हैं कि बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को माता पिता से कहीं अधिक शिक्षक पहचानते हैं। ऐसे में उन्हें चाहिए कि वे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए उसकी क्षमता अनुसार ही काम करें और परीक्षा के दबाव को कम करने के लिए नए शिक्षण पद्धतियों को अपनाएं।

आलेख

मोहन वीरेन्द्र

रचना और आलोचना का अंतर्वलंबन

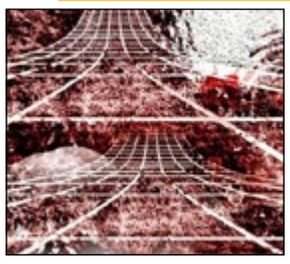

❐ रचना जीवन की आलोचना का सांस्कृतिक प्रकार्य है और आलोचना उस रचना में व्यक्त जीवन की खोज और विश्लेषण का रचनात्मक माध्यम। मुक्तिबोध की दृष्टि में आलोचक या समीक्षक का कार्य वस्तुत: कलाकार या लेखक से भी अधिक तन्मयतापूर्ण और सृजनशील होता है। उसे एक साथ जीवन में वास्तविक अनुभवों के समुद्र में डूबना पड़ता है और उससे उबरना भी पड़ता है। निश्चित रूप से मुक्तिबोध के सामने आलोचना की नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई थीं, जिनसे कि उन्हें टकराना था। आलोचना को या तो रचना का पिछलग्गू मान लिया गया था या फिर आलोचना के विकास की सीमाएं अवरुद्ध हो गयीं थी। फलत: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने जिस आलोचना की बुनियाद डाली थी। उसका तर्क-संगत विकास नहीं हो सका। मुक्तिबोध की चिन्ता स्वाभाविक है इसीलिए उनका संकेत आलोचना के जीवन कर्म की ओर है और वह यह कि उसका कार्य जीवन की वास्तविकता का संवेदनात्मक ओर ज्ञानात्मक विकास करना है। इस अर्थ में रचना के कर्म से आलोचना का कर्म भिन्न नहीं कहा जायेगा। इसी अर्थ में आलोचना भी सृजनात्मक कर्म है ठीक रचना की तरह यह तभी संभव है जब आलोचक को जीवन के विकास की स्थितियों की भागीदारी निभाने का तजुर्बा हो। कहा जा सकता है कि रचना और आलोचना दोनों समान रूप से जीवन की वास्तविकता को खोजने के लिए प्रयत्नशील हैं। खोज की इस प्रक्रिया में विविधता होना स्वाभाविक है; क्योंकि जीवन की वास्तविकता जटिल और द्वंदपूर्ण है, सपाट और एकांगी नहीं। इसलिए दोनों का मार्ग भिन् न-भिन् न होते हुए भी लक्ष्य समान है। माना कि रचना जीवन की जटिलताओं का उद्घाटन है तो आलोचना का कार्य यह खोज करना है कि रचना में व्यक्त जीवन वास्तविक भी है या नहीं। पाठक भी यह कार्य करता है। इसलिए विवेकवान पाठक या सहृदय भी एक आलोचक कहा गया है। यह भी हो सकता है कि रचनाकार पाठक का सहारा लेकर आलोचना की परवाह न करें; क्योंकि रचनाकार आलोचना की सत्ता को अपनी अनुवर्ती भी बनाना चाहता है। मैं इस बहस को फिलहाल आगे नहीं बढ़ाना चाहता। बात अन्तरावलम्बन की है। मैं यह मानता हूँ कि आलोचक के लिए भी जीवन का गहरा और व्यापक सरोकार वास्तविक आलोचना कर्म की ओर प्रेरित करता है। आलोचक के लिए भी जीवन के प्रति उतनी पक्षधरता आवश्यक है, जितनी कि एक रचनाकार के लिए। तटस्थ रहकर ईमानदार आलोचना कर्म संभव नहीं। केवल साहित्यिक या अकादमिन मानदण्डों का पालन करके आलोचना अपने कर्तव्य से मुक्त नहीं हो सकती। यदि रचना जीवन का ह्रास करने वाले मूल्यों की वकालत करती है तो आलोचना की पटरी उसके साथ नहीं बैठेगी, ऐसे में आलोचना उग्र और कटु भी हो सकती है। पर ऐसा सर्वत्र और सदैव नहीं होता। परन्तु यदि आलोचना अपनी अन्ध जड़ता के आगे कविता के जीवन विकास के संकेतों को ग्रहण करने में असफल सिद्ध होती है तो कविता भी उसका जवाब अवश्य देगी। इसका तात्पर्य यह नहीं कि कविता आलोचना परम्परा की सत्ता को ही अस्वीकार कर दे। मुक्तिबोध ने समीक्षा की समस्याएँ, विषय पर चर्चा करते हुए इन सीमाओं का स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ कवि और समीक्षक दोनों की स्थितियों पर विचार किया गया है। नागार्जुन ऐसी ही आलोचना से क्षुब्ध होकर व्यंग्य का सहारा लेते हैं। वे पूरे आलोचना कर्म के विरोधी नहीं हैं: अगर कीर्ति का फल चखना है कलाकार ने फिर-फिर सोचा आलोचक को खुश करना है। नागार्जुन की ये पंक्तियां आलोचना की एक विशेष स्थिति की ओर संकेत करती है।

जीवन मन्त्र

उल्टे-सीधे ख्याल आने पर करें माइंड को डिटॉक्स

❐ जिस तरह से उल्टी-सीखे खानपान से शरीर को बचाने के लिए बॉडी डिटॉक्स की जाती है। उसी तरह से माइंड को भी उल्टे-सीधे ख्याल से बचाने के लिए डिटॉक्स की जरूरत होती है। लगातार काम का प्रेशर, फ्यूचर की टेंशन और तनाव माइंड को थका देता है। ऐसे में जरूरी है कि दिमाग को थोड़ा रिलैक्स किया जाए, जिससे कि माइंड रिफ्रेश हो। दिमाग को डिटॉक्स कर रिफ्रेश करना है तो कुछ खानपान बदलने की जरूरत नहीं लेकिन इन आदतों को जरूर शामिल करने की जरूरत है। जानें कैसे करें माइंड को डिटॉक्स। दिमाग में आ रहे ख्याल और विचारों को क्लियर करना है तो सबसे पहले उन्हें लिखना शुरू कर दें। ऐसा करने से आप समझ जाएंगे कि दिमाग में चल रही कितनी बात काम की है और कितनी बात गैर जरूरी है। रोजाना ऐसा करने से कुछ दिनों में खुद ब खुद अंतर दिखेगा और माइंड ज्यादा क्लियर सोचना शुरू कर देगा। काम के प्रेशर और तनाव के बावजूद खुद के लिए समय निकालकर ऐसी जगह जाएं जहां जाना आपको खुशी देता है। गार्डेन, पार्क, समंदर किनारे बीच या फिर आपका प्यारा बेडरूम। वहां बैठकर थोड़ी देर रिलैक्स हों और वो काम करें जिससे खुशी मिलती हो। आजकल भी भागदौड़ भरी और कंपटीशन से भरी दुनिया में हर कोई एक दूसरे को पीछे छोड़ना चाहता है। ऐसे में भागते-भागते थक गए तो इस रैट रेस से बाहर हो जाएं। कुछ देर के लिए दिमाग को आराम दें और कुछ भी ना करें। लगातार काम भी माइंड को थका देता है और मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचाता है। खुद की सेहत को ठीक करना है दूसरों पर जिम्मेदारी ना डालें। एक्सरसाइज और अच्छे खाने का रूटीन सेट करना है खुद से कोशिश करें। पहले खुद के लिए कोशिश करनी होगी तभी दूसरे भी मदद करेंगे। रोजाना काम की लिस्ट बहुत लंबी होती है लेकिन तय करें कि कौन सा काम पहले करना है और कौन सा काम बाद में, ऐसा करने से आपको बहुत ज्यादा हड़बड़ी और दिमाग पर प्रेशर डालने की जरूर नहीं पड़ेगी।

रत्नराशि

किन रत्नों के साथ नहीं पहनना चाहिए मोती?

❐ ज्योतिष में मानसिक सुख-शांति और खुशहाली के लिए मोती पहनना बेहद शुभ माना गया है। मोती का संबंध चंद्रमा से है। रत्न शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों को क्रोध अधिक आता है। मन अशांत रहता है। वह इस रत्न को धारण कर सकते हैं। मोती को मानसिक शांति और तनावों से मुक्ति पाने में लाभकारी माना गया है। यह रत्न लाइफ से नेगेटिविटी दूर करता है, लेकिन कुछ बातों का ध्यान न रखने से इसका नकारात्मक परिणाम मिल सकता है। इस रत्न को कुछ लोगों को धारण न करने की सलाह दी जाती है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर स्थिति में है, उन्हें मोती धारण करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है, तो मोती न धारण करें। इससे साथ ही कुछ रत्नों के साथ भी मोती नहीं पहनना चाहिए। मान्यता है कि इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मोती के साथ डायमंड, पन्ना, गोमेद, लहसुनिया या नीलम रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, इससे चंद्रमा के अशुभ प्रभाव मिल सकते हैं। शुक्र, बुध, शनि के साथ चंद्रमा की शत्रुता के कारण मोती का हानिकारक प्रभाव मिल सकता है और यह मानसिक तनाव बढ़ा सकता है। मोती के साथ पुखराज या मूंगा रत्न धारण करना शुभ माना जाता है। रत्न ज्योतिष के अनुसार, जिन राशियों के स्वामी ग्रह बुध,शुक्र, शनि और राहु हैं, उन्हें मोती नहीं पहनना चाहिए। इन राशियों को नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। इसलिए वृषभ, मिथुन, कन्या, मकर और कुंभ राशि के जातकों को मोती पहनना से बचना चाहिए। इसके साथ ही कोई भी रत्न धारण करने से पहले ज्योतिषीय सलाह जरूर लें।

इतिहास

गुरु रविदासजी

❐ रविदास जी एक महान संत थे जिन्होंने अपने जीवन के दौरान अनेकों सामाजिक व धार्मिक सुधारों का कार्य किया। उनका जन्म 15वीं शताब्दी के उत्तर प्रदेश के कासगंज में हुआ था। उनके पिता रोही नाम के एक चमार थे। रविदास जी बचपन से ही बहुत धार्मिक थे और उन्होंने अपने जीवन के दौरान कई धर्म ग्रंथों को अध्ययन किया था। रविदास जी एक महान संत, कवि और समाजसेवक थे जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में सन् 1377 में हुआ था। और उनके परिवार का जीवन गरीबी और संकट से भरा था। बचपन से ही रविदास जी को धर्म और आध्यात्मिक विषयों में रुचि थी। वे संत मीरा बाई, संत कबीर, संत रामानंद और संत नामदेव जैसे अन्य संतों की भावनाओं के प्रभाव में आते थे। एक दिन, रविदास जी को दर्शन मिले जब उन्होंने एक गुरु के शिष्यों के समूह को धर्म के उच्च मानकों का उल्लंघन करते देखा। यह घटना उन्हें अपने आप को धर्म के उच्च मानकों से जोड़ने की प्रेरणा दी। रविदास जी अपनी जीवनगाथा को अपने लेखों के माध्यम से व्यक्त करते थे। उन्होंने अपने लेखों में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच धर्म के महत्व को बताया और लोगों को धर्म के उच्च मानकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। रविदास जी ने अपने जीवन के दौरान अपने समाज को संघर्ष के लिए प्रेरित किया और उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से समाज में समानता का संदेश फैलाया। उन्होंने अपने कविताओं के माध्यम से जाति व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई थी। रविदास जी ने अपने जीवन के दौरान कई कार्य किए। उन्होंने चमार समुदाय में शिक्षा के लिए अपनी मेहनत की। उन्होंने अपने समाज को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया था और उन्होंने अपने समुदाय के लोगों के लिए अस्पताल खोला था। रविदास जी के उपदेशों के आधार पर बुद्धि और ज्ञान की महत्वपूर्ण बात करते हुए उन्होंने शिक्षा के महत्व को बताया और अपने समाज के लोगों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से समाज को एक समान और समझदार समाज बनाने का संदेश दिया। रविदास जी के उपदेश धार्मिक होने के साथ-साथ सामाजिक भी थे। उन्होंने अपने समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए अपनी कविताओं का उपयोग किया। उन्होंने अपनी कविताओं में जाति व्यवस्था, बलात्कार, भ्रष्टाचार और बेटियों के सम्मान के बारे में बताया। उन्होंने लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने का संदेश दिया और समाज में समानता का संदेश फैलाया। रविदास जी का जीवन एक अद्भुत उदाहरण है जो हमें समाज की समस्याओं के साथ-साथ धार्मिक जीवन के महत्व को भी समझाता है। उनके जीवन और उपदेश हमें एक समान और समझदार समाज की स्थापना के लिए प्रेरित करते हैं। संत शिरोमणि कवि रविदास का जन्म माघ पूर्णिमा को 1376 ईस्वी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के गोबर्धनपुर गांव में हुआ था। उनकी माता का नाम कर्मा देवी (कलसा) तथा पिता का नाम संतोख दास (रग्घु) था। उनके दादा का नाम श्री कालूराम जी, दादी का नाम श्रीमती लखपती जी, पत्नी का नाम श्रीमती लोनाजी और पुत्र का नाम श्रीविजय दास जी है। रविदासजी चर्मकार कुल से होने के कारण वे जूते बनाते थे। ऐसा करने में उन्हें बहुत खुशी मिलती थी और वे पूरी लगन तथा परिश्रम से अपना कार्य करते थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ था जब उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुगलों का शासन था चारों ओर अत्याचार, गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा का बोलबाला था। उस समय मुस्लिम शासकों द्वारा प्रयास किया जाता था कि अधिकांश हिन्दुओं को मुस्लिम बनाया जाए। संत रविदास की ख्याति लगातार बढ़ रही थी जिसके चलते उनके लाखों भक्त थे जिनमें हर जाति के लोग शामिल थे। यह सब देखकर एक परिद्ध मुस्लिम 'सदना पीर' उनको मुसलमान बनाने आया था।

रविदाजी को पंजाब में रविदास कहा। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में उन्हें रैदास के नाम से ही जाना जाता है। गुजरात और महाराष्ट्र के लोग 'रोहिदास' और बंगाल के लोग उन्हें 'रुइदास' कहते हैं। कई पुरानी पांडुलिपियों में उन्हें रायादास, रेदास, रेमदास और रौदास के नाम से भी जाना गया है। कहते हैं कि माघ मास की पूर्णिमा को जब रविदास जी ने जन्म लिया वह रविवार का दिन था जिसके कारण इनका नाम रविदास रखा गया। उनका जन्म माघ माह की पूर्णिमा को हुआ था। इस वर्ष 12 फरवरी 2025, दिन बुधवार को उनकी जयंती मनाई जाएगी।

लघुकथा

शालिनी मुखरैया

सब के लिए

❐ बात इतनी पुरानी है कि वे शब्द, जो उसे बयान कर सकते, अब हर भाषा के शब्द- कोष से खो चुके हैं। बात इतनी नई है कि उसे बताने के लिए जो अभिव्यक्ति चाहिए वह अभी किसी भी भाषा में ईजाद ही नहीं हुई है। इसलिए मजबूरी में अब मुझे उपलब्ध शब्दों से ही काम चलाना पड़ रहा है वह जैसे दूध के ऊपर जमी हुई मलाई थी. वह जैसे मुँह में घुल गई मिठास थी. वह जैसे सितारों को थामने वाली आकाश-गंगा थी. वह जैसे ख़ज़ाने से लदा एक समुद्री जहाज़ थी जिसकी चाहत में समुद्री डाकू पागल हो जाते थे. उसके होठ इतने सुंदर थे कि आवाज़ का मन नहीं करता कि वह उनके बीच से हो कर बाहर आए और इस प्रक्रिया में होठों को थोड़ा मलिन कर जाए. उसकी आँखें इतनी सुंदर थीं कि सभी दृश्य उन्हीं में बस जाना चाहते थे. उसका मन इतना सुंदर था कि वह अपने लिए नहीं , औरों के लिए जीती थी. वह स्त्री थी . वह माँ थी तो मकान घर था. वह बहन थी तो भाइयों की कलाइयों पर राखी थी. वह बेटी थी तो घर में रौनक़ थी. वह पत्नी थी तो थाली में भोजन था, जीवन में प्रयोजन था. अकसर उसके मन के पके घाव उसकी आँखों में से बाहर झाँक रहे होते उसके घुटनों पर दर्द का शिशु झूल रहा होता. उसके मन का आकाश जब भर आता तो वह उसी पर बरस पड़ता चिड़िया की चोंच में भरा होता है जितना जल, बस उतनी ही ख़ुशी थी उसके जीवन में एक दिन पुरुष घर आया पर उसे स्त्री कहीं नहीं दिखी दरअसल स्त्री घर बन गई थी.

कहानी

शालिनी मुखरैया

सांप-सीढ़ी

❐ रमेश जब घर में घुसा, तो घर का माहौल स्तब्ध था। बच्चे अपनी अपनी पढ़ाई में व्यस्त एवं उसकी पत्नी '' शांति '(नाम की शांति पर वैसे 'अशांति 'अपने कोपभवन में थी. एक न एक दिन तो यह होना ही था। मेज पर पड़ा लिफाफा सारी कहानी बयान कर गया। वह समझ गया कि जरूर मां और बाबूजी के आने की सूचना आ गई है। पत्र का मजमून भी वही था. रिटायरमेंट के बाद मां-बाबूजी अपने बेटे बहू के पास रहने के लिए आ रहे थे। आखिर जाते भी तो कहा जाते .गाव का मकान उसकी पढ़ाई, नौकरी लगवाने और बहन की शादी का खर्च उठाने के चक्कर में बिक गया.पूरी जिंदगी पिताजी के अभावों में काट कर बच्चों की जिंदगी बनाने में लगा दी. वह अपने मां पिताजी का दर्द समझता था मगर उसकी पत्नी अपने ससुराल वालों से नाता नहीं रखना चाहती थी.बहुत ही, मुँहफट, कर्कश एवं झगड़ालू किस्म की औरत थी. उसके कर्कश व्यवहार की वजह से वह धीरे-धीरे सब रिश्तेदारों के कट गया था। सिर्फ बच्चों की वजह से वह इस रिश्ते को निभा रहा था। मां-बाबूजी का आना जो उसके एकछत्र राज्य में हनन था। वह चाहती थी कि शहर के किसी अच्छे वृद्धाश्रम में मां बाबूजी को भेज दिया जाय, खर्चा तो वह उठा ही लेंगे. मगर साथ रखने को वह राजी न थी. इस मुद्दे पर न जाने कितनी बार घर में बहस हो चुकी थी। क्या तुम पागल हो गई हो? मैं उनका अकेला लड़का हूँ, आखिर वे जाएंगे तो कहा जाएंगे ''रमेश क्रोध में चिल्लाया, अगर वो सदा के लिए यहां रहे तो मैं घर छोड़ कर चली जाऊँगी 'शांति ने ''अशांति ''से पैर पटकते हुए कहा बच्चे बेचारे अपने कमरे में सहम कर बैठ जाते और अंत में नाटक का पटाक्षेप इस प्रकार हो कि घर में न तो चूल्हा जलता पतिपत्नी दोनों गुस्से का घूँट पी कर और बच्चे बेचारे रूखी ब्रेड खाकर सो जाते. मां बाबूजी कल सुबह ही आ रहे थे रमेश ने दफ्तर से छुट्टी ले ली थी और मां बाबूजी को लेने स्टेशन पहुँच गया। ट्रेन समय पर आ गई रमेश ने मां बाबूजी के चरण छुए। रमेश के मां बाबूजी अपने बेटे की वैवाहिक परिस्थिति से अच्छी तरह परिचित थे. मगर वह अपने बेटे का कहा भी टाल नहीं सकते थे.घर पहुँच कर मां बाबूजी का सामान गेस्ट रूम में लगा दिया गया। बच्चे दादा-दादी के आने से बेहद प्रसन्न थे, मगर अपनी मां के आगे सहमे से रहते थे।

व्यंग्य

आदमी

जंगल की एक निंबध प्रतियोगिता में गाय ने आदमी पर निबंध लिखा जो इस प्रकार है। आदमी एक दोपाया जानवर होता है। उसको दो कान , दो आंखें और दो हाथ होते हैं। वह सबकुछ खाता है. उसका पेट बहुत बड़ा तो नहीं होता लेकिन कभी भरता नहीं है. यही कारण है कि आदमी जुगाली नहीं करता. उसके सींग नहीं होती लेकिन वह सबको मारता है. उसके दुम नहीं होती लेकिन वह दुम हिला सकता है वह एक अदभुत किस्म का प्राणी होता है. उसके बच्चे भी बड़े होकर आदमी ही बनते हैं।आदमी हर जगह पाया जाता है. गांवों में, शहरों में, पहाड़ों और मैदानों में रेगिस्तान से लेकर अंटार्कटिका जैसे ठंडे स्थानों पर भी पाया जाता है. वह कहीं भी रह सकता है लेकिन जहां रहता है उस जगह को जहरीला कर देता है। उससे दुनिया के सारे जानवर डरते हैं. वह जानवरों का दुश्मन तो है ही पेड़-पौधों का शत्रु भी है. आदमियों के अनेक प्रकार होते है। गोरा आदमी, काला आदमी, हिन्दू आदमी, मुसलमान आदमी, ऊँची जाति का ,नीची जाति का, पर सबसे अधिक संख्या में पाये जाते हैं. धनी आदमी गरीब आदमी .आदमी हमेशा लड़ने वाला जीव होता है. वह नाम, मान, जान, पहचान, आन और खानदान के लिए लड़ता ही रहता है। सबसे अधिक, अपनी पहचान के लिए लड़ता है। जानवरों में यह हँसी की बात मानी जाती है कि पहचान के लिए कोई लड़े। किसी के सींग छोटे हैं तो किसी के बड़े। किसी की दुम छोटी है तो किसी की बड़ी। हाथी के कान विशाल होते हैं तो ऊँट के एकदम छोटे लेकिन दोनों लड़ते नहीं हैं। कौआ काला होता है। तोता हरा लेकिन दोनों एक ही डाल पर प्रेम से रह सकते हैं। आदमियों में सबसे ज्यादा लड़ाई पहचान के लिए होती है। कहते हैं कि आदमी एक सामाजिक प्राणी है जबकि समाज में रहना उसे आता ही नहीं। वह सबसे ज्यादा अपने पड़ोसी से लड़ता है। वह दो ईंच जमीन के लिए भी लड़ सकता है और एक गज कपड़े के लिए भी। और तो और वह एक पके पपीते के लिए चौबीस घंटे अनवरत लड़े तो जानवरों को आश्चर्य नहीं होगा। पड़ोसी से लड़ने के लिए धर्म और जाति बनाई गई हैं जानवरों में जाति और धर्म नहीं हैं तो वह कितने सुख से रहता है। ऐसा नहीं कि शेर के शक्तिशाली भगवान हैं और उन्हें मांसाहार पसंद है। तो, खरगोश के भगवान शाकाहारी हैं। उनका अवतार जंगल को शेरों से मुक्त कराने के लिए हुआ था।

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

❐ आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलामृत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M)
C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS
NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD,
M.I.S.R (Mum), C.C.H,
C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस,
पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 5 फरवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

भीषण गर्मियों में जलसंकट से बचने प्रभावी योजना बनाएं: विधायक जोरगेवार

> टैंकर खरीदने के लिए 50 लाख की घोषणा

चंद्रपुर, सुनील तायडे

विधायक किशोर जोरगेवार ने मनपा प्रशासन को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में शहर में पानी की कमी को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अस्थायी पानी की टंकियों की संख्या बढ़ाने के लिए तत्काल योजना बनाई जाए ताकि नागरिकों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना न पड़े । साथ ही उन्होंने शहर में लीक हो रही पाइप लाइनों और टंकियों की मरम्मत का काम तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए हैं ।

नगर पालिका में आयोजित बैठक में जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने एक नया टैंकर खरीदने के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गर्मियों के दौरान

पानी की कमी के मद्देनजर यदि आवश्यकता हुई तो अधिक धनराशि स्वीकृत की जाएगी । इस दौरान शहर के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में मनपा आयुक्त विपिन पालीवाल , अतिरिक्त आयुक्त चंदन पाटिल , उपायुक्त मंगेश खवले , शहर अभियंता विजय बोरिकर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी और पूर्व नगरसेवक उपस्थित थे।

जोरगेवार ने कहा कि प्रशासन को सुचारू जलापूर्ति बनाए रखने में कोई कमी नहीं करनी चाहिए , उन्होंने कहा कि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को एक साथ आकर जिम्मेदारी से काम करना चाहिए ताकि गर्मियों में पानी की कमी की समस्या से बचा जा सके । रमाई योजना , प्रधानमंत्री आवास योजना , शबरी आवास योजना जैसी सभी आवास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। विधायक किशोर जोरगेवार ने शहर में सफाई को लेकर नागरिकों की बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर एक बार फिर शहर को साफ करने का अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

महिलाओं के लिए अलग शौचालय बनाएं

शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर महिलाओं के लिए विशेष शौचालय का निर्माण करने के निर्देश दिए. विधायक किशोर जोरगेवार ने इस बैठक में स्पष्ट किया कि हम इसकी तैयारी के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराएंगे ।

शहर में सीवेज चैनल के लिए सड़कें फिर से खोदी जा रही हैं। इसलिए काम पूरा होने के तुरंत बाद खोदी गई सड़कों की मरम्मत की जानी चाहिए। कचरा संग्रहण के संबंध में नई नीति बनाई जानी चाहिए तथा दैनिक कचरा संग्रहण की योजना बनाई जानी चाहिए। विधायक किशोर जोरगेवार ने नगर निगम के अधिकारियों को बाबूपेठ में कबड्डी मैदान बनाने का भी निर्देश दिया है।

प्रजासत्ताक शिक्षक संघ कार्यकारिणी की घोषणा

कोरपना.

2 फरवरी 2025 को प्रजासत्ताक शिक्षक संघ कोरपना तालुका कार्यकारिणी समिति एवं बैठक का आयोजन डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर भवन में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रजासत्ताक शिक्षक संघ चंद्रपुर के जिला अध्यक्ष एडवोकेट रविन्द्र मोटघरे तथा मुख्य मार्गदर्शक सहकार्यवाह राउत थे साथ. समारोह के मुख्य आयोजक प्रो. मनोहर बाम्बोले, उपाध्यक्ष, संस्था के सदस्य संजय बोरकर , मून राजुरा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बहुत ही उत्कृष्ट ढंग से किया गया तथा आभार ज्ञापन प्रोफेसर मनोहर बाम्बोले सर ने किया।

बैठक की शुरुआत गुलदस्ता भेंट कर की गई तथा उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों से संगठन तथा उनकी समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त करने को कहा गया। तत्पश्चात उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन की भूमिका के बारे में बताया। अध्यक्ष एडवोकेट मोटघरे ने अपने अध्यक्षीय भाषण में संगठन की भूमिका और केंद्रीय कार्यकारी समिति के कार्य आदि के बारे में बताया। इस तरह कोरपना तालुका में संगठन का निर्माण हुआ। इसमें कोरपना तालुका अध्यक्ष राजेन्द्र डांगे, सचिव प्रो. विनोद पंडम, संयुक्त सचिव चंदा गेडाम, कोषाध्यक्ष प्रभुदास मारापे , प्रचार प्रमुख प्रमोद जीवने , संगठक प्रवीण ढेगनले आदि को नियुक्त किया गया। इस संगठनात्मक बैठक में शंभरकर , बोरकर , निखाडे , प्रो. भोयर, प्रो. येलपुलवार , विजय खाड़े , पुरुषोत्तम उइके और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

लोगों की समस्याओं को हल करेंगे: मुनगंटीवार

चंद्रपुर.

जीवती तालुका के लोग बहुत ज्यादा प्रतिकूल परिस्थितियों में कृषि उत्पादों का उत्पादन कर नई मिसाल कायम कर रहे हैं। यहां के लोगों को कई समस्याएं हैं। महाराष्ट्र के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री, विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने आश्वासन दिया कि वे उन सभी समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

वह जीवती तालुका के वणी (बु) में एक सम्मान समारोह में बोल रहे थे। मंच पर विधायक देवराव भोंगले, भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा, कार्यक्रम आयोजक जिला अध्यक्ष भाजयुमो महेश देवकाते, विवेक बोधे, नामदेवराव ड़हुले,

सतीश उपलेंचिवार, दत्ता राठोड तालुका अध्यक्ष, केशव गिरमाजी जिला उपाध्यक्ष, बलिरामजी देवकाते पूर्व पंचायत समिति सदस्य, अंजना पवार, राजेश राठौड़, गोविंद टोकरे, प्रहलाद मदने, पुष्पा सोयाम, तुकाराम वारलवाड आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक सुधीर मुनगंटीवार का विशाल पुष्पमाला और जेसीबी द्वारा पुष्पवर्षा से अभिनंदन किया गया। बच्चों ने अपनी पारंपरिक संस्कृति का प्रदर्शन कर अतिथियों का स्वागत किया। इस स्वागत एवं अभिनंदन को स्वीकार करते हुए विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने जनता का धन्यवाद किया और बच्चों की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों का प्यार ही उनके काम की एकमात्र पहचान है।

विधानसभा चुनाव में देवराव भोंगले को चुनकर जीवती तालुका के लोग खुश थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरपंच, जिला परिषद सदस्य, अध्यक्ष से लेकर विधायक तक का सफर तय करने वाले भोंगले एक ऐसे कार्यकर्ता हैं जो जनता से पूरे दिल से प्यार करते हैं।

लंबित कार्यों को निपटायेंगे

जीवती तालुका के लोगों के मुद्दे लंबित हैं। यहां किसान चट्टानी, पहाड़ी भूमि पर खेती करते हैं। जीवती के नागरिकों ने चट्टानें तोड़ने और पानी निकालने के लिए बहुत मेहनत की है। इसलिए विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने आश्वासन दिया कि हम यहां की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राज्य में चीनी उद्योग को खुश करने की केंद्र की कोशिश

> सरकार महत्वपूर्ण मुद्दों से आंखें मूंद रही है: हेमंत पाटिल

चंद्रपुर.

आम मध्यम वर्ग के करदाताओं और अन्य वर्गों की जरूरतों पर विशेष ध्यान देते हुए प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट को सभी ओर से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इंडिया अगेंस्ट करप्शन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और ओबीसी नेता हेमंत पाटिल ने विश्वास जताया कि, केंद्रीय बजट के बाद महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के चीनी मिल मालिकों को अच्छे दिन देखने को मिलेंगे। पाटिल ने कहा कि सरकार द्वारा सीमित चीनी निर्यात की अनुमति दिए जाने के बाद उत्पादकों को सरकार द्वारा दी जाने वाली 'चीनी कैंडी' के बारे में विशेष चर्चा हुई।

हालांकि, पाटिल ने कहा कि, बजट में कुछ निराशा थी क्योंकि

चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, ऋण पुनर्गठन, ब्याज-रियायती ऋण योजना, इथेनॉल मूल्य वृद्धि, प्राथमिकता क्षेत्र का दर्जा और चीनी मिलों को जोड़ने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया। इथेनॉल की कीमतों को गन्ने के एफआरपी के बराबर कर दिया गया है। उद्योगपतियों को दिए गए ऋणों के पुनर्गठन की मांग पुरानी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस संबंध में सकारात्मक रुख अपनाया है और चीनी मिल मालिकों की समस्याओं को केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के संज्ञान में लाया है। उद्योगपतियों को ऋण के संबंध में राहत मिलने की उम्मीद थी। हालांकि, पाटिल ने कहा कि निर्माता निराश हैं क्योंकि बजट में इसका कोई उल्लेख नहीं किया गया। पाटिल ने कहा कि वे इस संबंध में मुख्यमंत्री से पत्राचार करेंगे। हालांकि, यह तय है कि बजट में किए गए प्रावधानों से चीनी मिलों को आर्थिक लाभ मिलेगा। दस लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति मिलने से गन्ना उत्पादक क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। पाटिल ने कहा कि निर्यात के फैसले की घोषणा होते ही महाराष्ट्र में चीनी की कीमतें 3,530 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 3,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं।

उत्तर प्रदेश में कीमतें 3,650 रुपये से बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। चीनी की उत्पादन लागत लगभग 39 रुपये से 41.66 रुपये प्रति किलोग्राम हो सकती है। सरकार ने हाल ही में सी हैवी मोलेसेस से उत्पादित इथेनॉल की कीमत भी बढ़ा दी है। पाटिल ने संभावना जताई है कि इथेनॉल की कीमत अब 56.28 रुपये प्रति लीटर की तुलना में 57.97 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी।

सैराट फेम रिंकू राजगुरु (आर्ची) बनी समारोह का आकर्षण, 50 डांस ग्रुप ने लिया हिस्सा

> सांस्कृतिक समारोह में घुग्घुसवासियों की उमड़ी भीड़

चंद्रपुर.

विधायक किशोर जोरगेवार की पहल पर भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की ओर से घुग्घुस स्थित स्नेहप्रभा मंगल कार्यालय में "उत्सव नारीशक्तिचा" नामक भव्य समारोह का आयोजन किया गया । सैराट फेम अभिनेत्री रिंकू राजगुरु (आर्ची) की उपस्थिति इस समारोह का विशेष आकर्षण थी। घुग्घुस में समारोह स्थल पर विशेष आकर्षण अभिनेत्री आर्ची को देखने युवा, युवतियों, महिलाओं और निवासियों की भरी भीड़ उमड़ी.

इस समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। एकल नृत्य , युगल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिताओं में 50 से अधिक समूहों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सैराट फेम रिंकू राजगुरु की मौजूदगी ने पूरे माहौल को हसीन और रंगीन बना दिया।

समारोह का उद्घाटन गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार , कल्याणी किशोर जोरगेवार, विवेक बोडे , नीतू चौधरी , सुचिता लुटे , शारदा दुर्गम , वैशाली धवस, सुषमा सावे , कुसुम सातपुते , नंदा कांबले , उषा अगडारी , नीतू जैस्वाल , उज्ज्वला उइके , वनिता निहाल , किरण बोंधे, इंस्पिरा टंड्रा , संतोष नुने , संजय तिवारी , राजकुमार गोडशेलवाल , साजन गोहाने , सीनू इसराप , इमरान खान , स्वप्निल वधई , मुन्ना लोधे , सूरज मोरपका , अनिल बाम , राजेश मोरपका , मयूर कलवाल , सुनीता घिव , जयश्री राजुरकर, सिनल भारडकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि , ` समाज की प्रगति के लिए महिला सशक्तिकरण बहुत जरूरी है। अगर महिलाओं को अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। आज के समारोह ने घुग्घुस शहर

की महिला कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच दिया है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए शिक्षा मिलनी चाहिए। कला और सामाजिक कार्यों को पहल के रूप में लिया जाना चाहिए। इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों से समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी महिलाओं को अवसर प्रदान किए जाएंगे। इसी प्रकार की गतिविधियों को क्रियान्वित किया जाएगा।

सैराट फिल्म की महान अभिनेत्री रिंकु राजगुरु (आर्ची) हैं। युवा महिलाएं उनके संघर्ष और अभिनय करियर की यात्रा से प्रेरित होंगी। इस समारोह के पीछे की अवधारणा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और कला , शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में आगे बढ़ाना है । विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि इस क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले समारोह भी आयोजित किए जाएंगे।

घुग्घुस के लोगों से प्राप्त प्रतिक्रिया हमेशा मेरी स्मृति में रहेगी। विधायक किशोर जोरगेवार ने इस तरह के

आयोजन के माध्यम से महिलाओं को अवसर प्रदान किया है। हमारे शहर में आने पर घुग्घुस के ऊर्जावान लोगों को देखकर हमें खुशी हुई। सैराट फेम रिंकू राजगुरु (आर्ची) ने कहा कि, आयोजन बहुत अच्छा था और उनकी उपस्थिति ने इसकी भव्यता को और बढ़ा दिया। इसमें प्रीति झाडे ने एकल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता , शोभा और विभा ने युगल प्रतियोगिता जीती , और शेनगांव के नचले ग्रुप ने समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में घुग्घुस के लोग शामिल हुए।

राजुरा आसिफाबाद रेलवे गेट पर फंसा ट्रक

> दक्षिण भारत की ओर जानेवाली रेल लाइन पर कई घंटों तक यातायात बाधित

राजुरा.

राजुरा आसिफाबाद रेलवे लाईन पर शिवाजी कॉलेज के पास रेलवे गेट पर मालवाहक ट्रक फंसने से यातायात बाधित हो गया। दोनों तरफ वाहनों की कतारे लगने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। जबकि यह समस्या हमेशा होती रहती है, रेलवे विभाग और जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं देते। वैकल्पिक मार्ग ढूंढने में लापरवाही बरतना के आरोप राजुरा के जानकारों ने लगाया.

हैदराबाद और दक्षिण भारत की ओर जाने वाली कई रेल्वे गाड़ियां प्रभावित होनेसे जगह जगह

खड़ी रही. जबकि उस मार्ग पर चलने वाली स्कूली बसें भी प्रभावित होनेसे परिजनों और छात्रों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी. बढ़ती गर्मी से छात्रों का बुरा हाल हुआ.

इस रेलवे गेट पर आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। कई वर्षों से जनता मांग कर रही है कि रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस रेलवे गेट पर वैकल्पिक मेट्रो की मांग को गंभीरता से लें। अन्यथा बड़ा जन आंदोलन की करने की चेतावनी भी कुछ युवाओं ने दी.

वसुंधरा: अनुपमा की परवरिश की धज्जियां उड़ाएंगी...

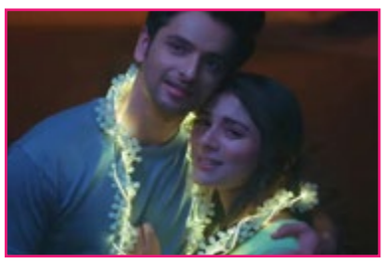

टीवी सीरियल अनुपमा में इन दिनों हाई वोल्टेज ड्रामा चल रहा है. अनुपमा में प्रेम और राही की लव स्टोरी पर सारी कहानी आ गई है, लेकिन अनुपमा अभी इतनी जल्दी अपनी बेटी राही की शादी नहीं करवाना चाहती, लेकिन वसुंधरा कोठारी यानी मोटी बा किसी तरह प्रेम को घर लाने के लिए राही को जल्द से जल्द अपनी बहू बनाने में लगी है. इसी वजह से अब शो में राही की शादी का जल्द ही ड्रामा दिखाया जाएगा, जिसमें हंगामे होने तय है. अपकमिंग एपिसोड में राही और प्रेम की वजह से बड़ा हंगामा होने वाला है.

आइए आपको अपकमिंग एपिसोड के बारे में बताते हैं. टीवी सीरियल अनुपमा के अपकमिंग एपिसोड में देखने के लिए मिलेगा कि अनुपमा अनुज को याद करेगी और राही की शादी की बातें करेंगी. वह इस दौरान अनुज की फोटो देखकर बोलेगी कि प्रेम अच्छा लड़का है लेकिन राही की शादी के लिए अभी तक मन नहीं बना पा रही, लेकिन उसने तैयारी शुरू कर दी. दूसरी तरफ राही प्रेम से मिलने के लिए कोठारी हाउस पहुंच जाती है और यहां पर बहुत ही टशन के साथ आधी रात को उसके कमरे में घूसती है. राही पहले तो प्रेम को खूब छेड़ती है और फिर प्रेम राही का रोमांस शुरू हो जाता है. तभी प्रेम को बुलाने प्रार्थना का पति आ जाता है और प्रेम राही को कमरे में अकेला छोड़कर अपनी मोटी बा के पास चला जाता है.

शो में आगे देखने के लिए मिलेगा कि प्रेम जैसे ही मोटी बा से मिलकर कमरे में वापिस आता है, तो राही रोमांटिक मूड में होती है. राही उसके लिए अपने स्टाइल वाली फूलों की माला तैयार करके रखती है और फिर वह अपने दिल की बात करते हुए प्रेम को शादी के लिए प्रपोज करती है और फिर दोनों टाइट हग करके वहीं लोन में सो जाते हैं. सुबह अनुपमा राही को तलाश करती है और वसुंधरा भी प्रेम के कमरे तक पहुंच जाती है, लेकिन राही किसी तरह छुप जाती है, लेकिन उसे राही की स्कूटी की चाभी दिख जाती है और वह समझ जाती है कि राही यहीं है. इस दौरान राही पर परी का भी फोन आ जाता है और फिर राही भी ब्रेकफास्ट करके अनु की रसाई के लिए निकल जाता है.

राखी शादी करने के लिए बेकरार

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर सेलिब्रिटी राखी सावंत अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. राखी सावंत ने कथित तौर पर रितेश और आदिल खान दुर्रानी से शादी की थी और दोनों से उनका तलाक हो गया था. बीते दिनों पाकिस्तानी एक्टर डोडी खान ने राखी सावंत को प्रपोज किया था और फिर शादी करने से इनकार कर दिया था.

अब पाकिस्तान के विवादित लोगों में से एक मुफ्ती ने राखी सावंत के साथ शादी करने की इच्छा जताई है. इस मुफ्ती ने एक पॉडकॉस्ट के दौरान राखी सावंत को लेकर बात की है. आइए जानते हैं कि उसने क्या कहा है. पाकिस्तान के मुफ्ती अब्दुल कवि ने मुनीजे मोईन के पॉडकास्ट में राखी सावंत को लेकर बात की. इस दौरान अब्दुल कवि को बताया गया कि राखी सावंत का किसी मौलवी से शादी करने का मन है तो उन्होंने कहा कि वो तैयार हैं. मुफ्ती ने कहा कि वो राखी सावंत से शादी करने के लिए तैयर है लेकिन उन्हें अपनी मां से इजाजत लेनी होगी. मुफ्ती अब्दुल कवि ने अपनी पहले हुईं शादियों को भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि उनकी पहली शादी ऐसी महिला के साथ हुई जिनका परिवार मौलाना अबुल कलाम आजाद, गांधी जी और नेहरू जी को जानता था. उनकी पत्नी की समय से पहले ही मौत हो गई थी.

'पाताल लोक' के लिए जयदीप ने वसूले...

पहले सीजन से 50 गुना ज्यादा किया चार्ज

बॉलीवुड और वेब सीरीज की दुनिया में कुछ ऐसे एक्टर हैं, जिन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाली हैं. जयदीप अहलावत उन्हीं में से एक हैं. 'पाताल लोक' वेब सीरीज में इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी का रोल प्ले करके उन्होंने जो पहचान बनाई, वह अब उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'पाताल लोक' के पहले सीजन के लिए उन्हें मात्र 40 लाख रुपये मिले थे, लेकिन दूसरे सीजन के लिए उनकी फीस 50 गुना बढ़कर 20 करोड़ रुपये हो गई है. जयदीप अहलावत बॉलीवुड में एक दशक से ज्यादा के समय से सक्रिय हैं, लेकिन उन्हें वह स्टारडम नहीं मिला जिसके वे हकदार थे. 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'राजी', और 'विश्वरूपम' जैसी फिल्मों में भी उनकी परफॉर्मेंस को सराहा गया, लेकिन 2020 में आई 'पाताल लोक' उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई. इस क्राइम-थ्रिलर में उन्होंने जो रोल इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी का निभाया उस किरदार ने दर्शकों को इतना इंप्रेस किया कि वे रातों-रात सुर्खियों में आ गए. पहले सीजन में जयदीप अहलावत ने मात्र 40 लाख रुपये लिए थे.

लेकिन दूसरे सीजन की जबरदस्त पॉपुलैरिटी और उनकी शानदार एक्टिंग को देखते हुए, मेकर्स ने उन्हें पूरे 20 करोड़ रुपये दिए. यह उनकी मेहनत और काबिलियत का ही रिजल्ट है, कि एक ही शो के अगले सीजन में उनकी फीस में इतनी बड़ी बढ़ोतरी हुई है. जयदीप अहलावत की बढ़ती पॉपुलैरिटी यह साबित करती है, कि अब ओटीटी प्लेटफॉर्म केवल बड़े सितारों का खेल नहीं रहा, दमदार कंटेंट और इंप्रेसिव परफॉर्मेंस किसी भी एक्टर को रातों-रात स्टार बना सकते हैं. 'पाताल लोक' के बाद जयदीप को कई बड़ी वेब सीरीज और फिल्मों के ऑफर मिलने लगे हैं, और वे अब इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम पर पहुंच चुके हैं. बहरहाल, जयदीप अहलावत की सफलता नई ऊंचाइयों को छू रही है, और वे बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं, जो केवल अपनी एक्टिंग के दम पर शो चला सकते हैं.

प्रियंका चोपड़ा

कर रही हैं भाई की शादी की तैयारियां

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों जमकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। कभी प्रियंका हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग पर नजर आती हैं तो कभी घर पर भाई की शादी की तैयारियां करती दिख रही हैं। जी हां, प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपने इंस्टा हैंडल पर अपने भाई की शादी से पहले की कुछ झलकियां शेयर की हैं जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। जी हां, प्रियंका चोपड़ा द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा कभी डांस प्रैक्टिस की तस्वीर शेयर करती हैं तो कभी प्रियंका मेहमनों के साथ तस्वीर शेयर करती हैं। तो कभी प्रियंका दिखाती हैं कि उनकी बेटी मालती शादी वाले घर में बच्चों के साथ घुल मिल गई है। इन तस्वीरों के शेयर करने के साथ ही प्रियंका कैप्शन में लिखती हैं- शादी का घर है और कार्यक्रम कल से शुरू होगा। मेरे भाई की शादी है। संगीत के लिए सभी मिलकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। घर आकर बहुत अच्छा लगा रहा है मेरा दिल भरा हुआ है और मेरा शेड्यूल भी। प्रियंका आगे कहती हैं कि किसने कहा कि शादी आसान है ? तो क्या इसमें मजा है ? हां बिल्कुल। इस पल का मैं पिछले कुछ दिनों से इंतजार कर रही हूं। बता दें कि प्रियंका के इस पोस्ट पर फैन्स के जमकर रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- शादी वाले घर में बहुत ही ज्यादा मजा आता है सभी से लंबे समय के बाद मिलना हो पाता है। वहीं दूसरे ने लिखा- मानना पड़ेगा प्रियंका दिल से एक दम देसी है। वहीं तीसरे यूजर ने लिखा-बुआ आई हैं अब घर में कलेश करवा कर ही जाएंगी।

श्रीवल्ली बनकर मोनालिसा ने आजमाई अपनी किसमत...

महाकुंभ मेले की वजह से सुर्खियों में आई लड़की मोनालिसा आज सोशल मीडिया की जान बन चुकी है. सोशल मीडिया पर बीते कई दिनों लोग लगातार मोनालिसा के बारे में ही बात कर रहे हैं. लोगों का मानना है कि मोनालिसा की नैचुरल ब्यूटी किसी को भी अपना दीवाना बना सकती है. वहीं सोशल मीडिया क्रिएटर्स की नजर भी मोनालिसा पर पड़ गई है. तभी तो लोगों ने मोनालिसा की एआई वीडियोज बनाकर उनको सोशल मीडिया पर अपलोड करना शुरू कर दिया है. हाल तो ये है कि मोनालिसा की इन नकली वीडियोज को देखकर ही लोग अपना दिल बहला रहे हैं. सोचिए तब क्या होगा जब मोनालिसा सच में अपने वीडियोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करना शुरू कर देगी. इसी बीच मोनालिसा का एक और वीडियो लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है. इस वीडियो में मोनालिसा श्रीवल्ली बनकर पुष्पा 2 के गाने अंगारों का... पर ताल से ताल मिलाती नजर आ रही है.

इस एआई वीडियो में मोनालिसा श्रीवल्ली की तरह लहंगा चुनरी पहने दिख रही है. वहीं मोनालिसा की अदाएं तो बस देखते ही बन रही हैं. लोग मोनालिसा की इस वीडियो से अपनी नजर ही नहीं हटा पा रहे हैं. गौरतलब है कि हाल ही में कंगना रनौत ने भी मोनालिसा के बारे में बात करके सबको चौंका दिया था. कंगना रनौत के कमेंट ने ये बात साफ कर दी है कि मोनालिसा के फेम की आवाज बॉलीवुड तक जा पहुंची हैं. तभी तो खबर आ रही है कि मोनालिसा जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं. जरा सी उम्र में मोनालिसा को मॉडलिंग के भी ऑफर मिलने लग गए हैं. हाल हा में मोनालिसा का एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें वो अपने फेम के बारे में बात करती दिखी थीं. मोनालिसा ने कहा था कि लोग उनके साथ फोटो क्लिक करवाने के लिए दूर दूर से आ रहे हैं.

डिप्रेशन में आकर फिल्ममेकर ने ले ली अपनी जान

इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री से लोगों के आत्महत्या करने के मामले खूब सामने आ रहे हैं। हाल ही में, पुलिस ने मंगलवार को बताया कि तेलुगू फिल्म निर्माता के पी चौधरी ने अपनी जान ले ली है और इस खबर से तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। पुलिस ने बताया कि तेलुगू फिल्म निर्माता के पी चौधरी ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि वह डिप्रेशन के कारण यह कदम उठा रहे हैं और उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि नोट के अनुसार चौधरी पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में थे। आपको बता दें, तेलुगु में रजनीकांत स्टारर "कबाली" के मेकर के पी चौधरी (44) का शव सोमवार को उत्तरी गोवा जिले के सिओलिम गांव में किराए के घर के बेडरूम में मिला। पुलिस ने मृतक के बेडरूम से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि नोट में लिखा है कि वह डिप्रेशन के कारण आत्महत्या कर रहे हैं और उनकी मौत के लिए "किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए"। मेकर ने नोट में यह भी कहा कि उसका शव तमिलनाडु में रहने वाली उसकी मां को सौंप दिया जाए। इन्फॉर्मेशन मिलने के बाद पुलिस सोमवार को उनके घर पहुंची और शव को यहां के निकट बम्बोलिम स्थित गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि चौधरी के परिवार के गोवा पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि उनका परिवार जल्द पहुंच जाएगा।" बता दें, 2023 में साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम ने चौधरी को ड्रग मामले में गिरफ्तार किया था।

'बड़ी-बड़ी आंखें, वहीं चैहरा...' श्रीदेवी की हमशक्ल

श्रीदेवी आज भले ही हमारे बीच नहीं है लेकिन आपको बता दें कि उनकी हर एक याद फैंस के बीच आज भी मौजूद है। श्रीदेवी अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती थी और उनको फिल्म इंडस्ट्री का लेडी सुपरस्टार भी कहा जाता था। हालांकि आपको बता दें कि श्रीदेवी अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रही। लेकिन अब इसी बीच श्रीदेवी की हमशक्ल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है और इतना ही नहीं इस वीडियो को देखने के बाद में काफी सारे लोग तो हैरान भी रह गए हैं। श्रीदेवी की हमशकल का यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैन्स को काफी पसंद भी आ रहा है और काफी सारे लोग तो कह रहे हैं कि यह लड़की हूबहू एक्ट्रेस जैसी ही लगती है। श्रीदेवी की हमशक्ल की वायरल हो रही इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह एक्ट्रेस के ही गाने 'मैंने रब से तुझे' पर एक्टिंग करती हुई नजर आ रही है। इस दौरान इस महिला ने पिंक कलर की बहुत ही खूबसूरत सी साड़ी पहनी हुई है और बालों में भी गजरा लगाए हुआ है। श्रीदेवी की हमशक्ल की आंखें भी बहुत बड़ी-बड़ी नजर आ रही है और फैंस भी इनके दीवाने हो गए हैं।

'लवयापा' की स्पेशल स्क्रीनिंग में लगा सितारों का जमावड़ा

बॉलीवुड के कई नामी सितारे हाल ही में आयोजित हुई फ़िल्म 'लवयापा' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इस मोस्ट अवेटेड फ़िल्म में आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। मुंबई में हुए इस इवेंट में बॉलीवुड और अन्य क्षेत्रों के बड़े नामों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, जिससे यह शाम और भी खास बन गई। इस खास मौके पर बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट पहुंचे, जिन्होंने अपनी मौजूदगी से स्क्रीनिंग में चार चांद लगा दिए। यह फिल्म खुशी और जुनैद खान की पहली थिएट्रिकल रिलीज है, और उनके पिता आमिर खान भी इस मौके पर मौजूद थे। आमिर अपने बेटे की इस डेब्यू फ़िल्म को लेकर बेहद उत्साहित दिखे और परिवार व दोस्तों के साथ स्क्रीनिंग का आनंद लिया।

इवेंट में कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इनमें राजनीतिक नेता राज ठाकरे, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर भी शामिल थे। यह पावर कपल स्क्रीनिंग के दौरान अन्य मेहमानों से मिलते-जुलते नजर आए और नए टैलेंट को सपोर्ट किया। इसके अलावा, दिवंगत अभिनेता इरफ़ान खान की पत्नी सुतापा सिकदर भी अपने परिवार के साथ इस मौके पर मौजूद थीं। पूर्व क्रिकेटर ज़हीर खान और उनकी अभिनेत्री पत्नी सागरिका घाटगे भी इवेंट का हिस्सा बने। इस खास शाम को और भी यादगार बनाया आमिर खान की बेटी इरा खान और उनके पति नूपुर भी परिवार को सपोर्ट करने के लिए स्क्रीनिंग में पहुंचे। वहीं, आमिर खान की करीबी दोस्त और बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल भी इस इवेंट में शामिल हुईं और खान परिवार को अपना समर्थन दिया। 'लवयापा' आधुनिक रोमांस की एक दिल को छू लेने वाली कहानी है, जिसमें शानदार परफॉर्मेंस, बेहतरीन संगीत और खूबसूरत विज़ुअल्स देखने को मिलेंगे। यह फ़िल्म प्यार के विभिन्न रंगों को सेलिब्रेट करती है और हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करने का वादा करती है। अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित 'लवयापा' 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी और यह साल 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक मानी जा रही है।

समय रैना को जेसी ने बुरा फंसाया

मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना काफी कम समय में बड़ा नाम और शोहरत कमा चुके हैं। टैलेंटेड आर्टिस्ट 'इंडियाज गॉट लेटेंट' से अपने फैंस के बीच छाए हुए हैं। हालांकि इसी शो ने अब उनके लिए मुश्किले खड़ी कर दी हैं और वो कानूनी पचड़े में फंसते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, उनके शो के खलिाफ एफआईआर दर्ज हुई है। अरुणाचल प्रदेश की एक कंटेस्टेंट ने शो में एक विवादास्पद टिप्पणी की थी, जिसके बाद यह शो रडार पर है। अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली जेसी नबाम ने शो के 'मेंबर-ओनली' एपिसोड में राज्य के लोगों के बारे में एक राय दी थी, जिसके बाद समय ने उस पर कॉमेंट किया था। एपिसोड के दौरान जेसी नबाम अपने राज्य के लोगों के बारे में राय दे रही थीं। इस पर समय रैना ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने कभी कुत्ते का मांस खाया है? इस पर जेसी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोग कुत्ते का मांस खाते हैं, लेकिन उन्होंने कभी इसका स्वाद नहीं चखा है। जेसी ने कहा, 'मुझे इसके बारे में पता है, क्योंकि मेरे दोस्त इसे खाते हैं। वे कभी-कभी अपने पालतू जानवरों को भी खा जाते हैं।' कंटेस्टेंट के इस बयान पर जहां समय रैना हैरान हो गए, वहीं उनके साथी होस्ट बलराज सिंह घई ने टोका और कहा कि ऐसा लग रहा है कि जेसी यह सिर्फ कहने के लिए कह रही हैं। लेकिन जेसी नबाम ने फिर से जोर देकर कहा कि यह सच है।

'तुम कैसे मरी थी...'

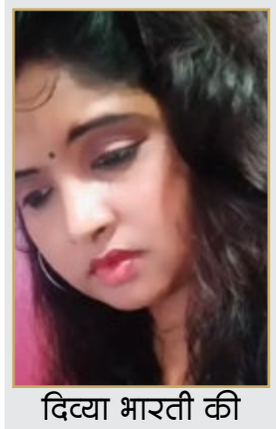

दिव्या भारती की हमशक्ल से लोगों ने किये सवाल

दिव्या भारती ने एक समय पर लोगों का दिल जीत लिया था और आपको बता दें कि उनकी खूबसूरती तो ऐसी थी कि हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता था। लेकिन दिव्या भारती ने जब सिर्फ और सिर्फ 19 साल की उम्र में दुनिया छोड़ी तो हर कोई गम में डूब गया। लेकिन अब इसी बीच दिव्या भारती की हमशक्ल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि दिव्या भारती की सिर्फ 19 साल की उम्र में बालकनी से गिरकर मौत हो गई थी। काफी लोगों द्वारा यह दावा किया गया था कि दिव्या भारती की मौत के पीछे का कारण कुछ और है। लेकिन आज तक दिव्या भारती की मृत्यु के पीछे क्यो गुत्थी सुलझ नहीं पाई है। लेकिन अब इस वायरल हो रही वीडियो में दिव्या भारती के हमशक्ल को देखने के बाद में काफी सारे लोग तो हैरान रह गए हैं। वायरल हो रही है इस वीडियो में दिव्या भारती की हमशक्ल का नाम निशा है और वह एकदम खूब एक्ट्रेस की तरह ही लग रही है। वही घुंघराले बाल और वही सुंदर सी आंखें।

पंजाबी सिंगर प्रेम ढिल्लों के घर पर हुई फायरिंग

पंजाबी सिंगर प्रेम ढिल्लों के कनाडा वाले घर पर हाल ही में हमला हुआ उनके घर पर गोलीबारी की घटना हुई, जिससे उनके फैंस की चिंताएं बढ़ गई हैं। उनके घर के बाहर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी चर्चित अर्श डाला से जुड़े एक गैंगस्टर ने ली है। इस हमले के पीछे का मकसद अभी भी साफ नहीं हुआ है और मामले की जांच चल रही है। प्रेम ढिल्लों के घर पर सोमवार को गोलीबारी की गई, जिसकी जिम्मेदारी जयपाल भुल्लर गैंग ने ली। गैंग की वायरल की गई एक पोस्ट में सिंगर सिद्धू मूसेवाला का नाम भी शामिल है, जिनकी 2022 में पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और इसमें जेल में बंद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का भी नाम शामिल है। फायरिंग की जिम्मेदारी जेंटा खरड़ ने ली है, जो जयपाल भुल्लर गैंग से जुड़ा है और इस वक्त आस्ट्रेलिया में रह रहा है। आपको बता दें, जेंटा को खालिस्तानी आतंकी अर्श डाला का बेहद करीबी माना जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, प्रेम ढिल्लों को "बूट कट", "ओल्ड स्कूल" और "माझा ब्लॉक" जैसे फेमस गानों के लिए जाना जाता है। पिछले साल सितंबर में, कनाडा के वैंकूवर में फेमस पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर के बाहर कथित तौर पर गोलीबारी की गई थी।

रोजलीन खान ने लगाए हिना खान पर जान से मारने का आरोप

एक्ट्रेस रोजलीन खान लगातार हिना खान के ब्रेस्ट कैंसर को लेकर तमाम सवाल खड़े कर रही हैं। वह पहले कई वीडियोज भी बना चुकी हैं जिसमें वह तमाम दावे भी कर चुकी हैं। रोजलीन का कहना है कि हिना खान अपनी बीमारी को ज्यादा ही बढ़ा चढ़ाकर बता रही हैं। जिस तरह से वह इवेंट अटेंड करती हैं और इंटरनेशनल ट्रिप कर रही हैं उसे देखकर नहीं लगता है कि उन्हें स्टेज 3 का कैंसर है। इसके अलावा भी रोजलीन ने हिना पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। वहीं अब रोजलीन हिना खान पर ऐसा आरोप लगाती नजर आ रही हैं जिसे देख लोगों के होश उड़ गए हैं। जी हां, रोजलीन का कहना है कि हिना खान और उनकी टीम उन्हें धमकियां दे रही है। रोजलीन के पास रेप, एसिड अटैक, और डेथ थ्रेट के मैसेज आ रहे हैं। इतना ही नहीं रोजलीन का यह भी कहना है कि आज उन्हें नरगिस दत्त फाउंडेशन के इवेंट में शामिल होना था.

ए.जी. राजस्थान, मध्य प्रदेश ने फुटबॉल में जीत दर्ज की

आईए एंड एडी वेस्ट जोन फुटबॉल टूर्नामेंट

नागपुर.

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग (आईएएंडएडी) पश्चिम क्षेत्र फुटबॉल टूर्नामेंट, 2025 के पहले दिन मेजबान ए.जी. महाराष्ट्र को ए.जी. मध्य प्रदेश से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि ए.जी. राजस्थान ने ए.जी. छत्तीसगढ़ को 10-0 से हराया। टूर्नामेंट का आयोजन महालेखाकार (लेखा परीक्षा) II, महाराष्ट्र, नागपुर के कार्यालय में दत्ताप्रसाद शिरसाट, आईएएएस, महालेखाकार (लेखा परीक्षा), नागपुर के संरक्षण में किया जा रहा है। मैच राउंड-रॉबिन आधार पर शिवाजी स्टेडियम, पुलिस मुख्यालय, कटोल रोड, नागपुर में खेले जा रहे हैं और 7 फरवरी 2025 को समाप्त होंगे।

ए.जी. महाराष्ट्र और ए.जी. मध्य प्रदेश के बीच उद्घाटन मैच में, यश शुक्ला ने 7वें मिनट में एक क्लासिक फील्ड गोल करके ए.जी. मध्य प्रदेश को 1-0 से आगे कर दिया। लेकिन मेजबान टीम ने पहले हाफ के अंतिम क्षणों में बराबरी कर ली जब जंग बहादुर ने गोलकीपर के दाईं ओर एक शक्तिशाली किक के साथ पेनल्टी को गोल में बदल दिया। हाफ टाइम स्कोर 1-1 रहा। 45वें मिनट में, सनी दास ने नेट के दाईं ओर एक शानदार 30 गज की किक मारकर स्कोर 2-1 कर दिया, जो ए.जी. मध्य प्रदेश के पक्ष में अंतिम स्कोर रहा। ए.जी. मध्य प्रदेश के

यश शुक्ला को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अजय सैनी को प्लेयर ऑफ द मैच

दिन के दूसरे मैच में ए.जी. छत्तीसगढ़ और गत विजेता ए.जी. राजस्थान के बीच मैच के पहले हाफ में ए.जी. राजस्थान ने एक के बाद एक गोल करके स्कोर 7-0 कर दिया। अजय सैनी ने 10वें, 15वें, 28वें और 33वें मिनट में 4 फील्ड गोल किए, जबकि नरेंद्र सिंह ने 13वें मिनट में एक गोल किया, जबकि राहुल डागर ने 31वें और 35वें मिनट में दो गोल किए। दूसरे हाफ में भी ए.जी. राजस्थान ने दबदबा बनाए रखा और अजय सैनी ने 37वें और 42वें मिनट में दो और गोल किए, जबकि गणेश पंवार ने 48वें मिनट में गोल किया। अंतिम स्कोर लाइन ए.जी. राजस्थान के पक्ष में 10-0 रही। ए.जी. राजस्थान के अजय सैनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन तीन मैच खेले जाएंगे, एजी राजस्थान और एजी गुजरात के बीच सुबह 08.30 बजे, एजी महाराष्ट्र और एजी छत्तीसगढ़ के बीच सुबह 10.00 बजे तथा एजी मध्य प्रदेश और एजी गुजरात के बीच दोपहर 3.30 बजे मुकाबला होगा।

इससे पहले, (आईएएंडएडी) पश्चिम क्षेत्र फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन जया भगत, आईएएएस, प्रधान महालेखाकार, महाराष्ट्र, नागपुर ने फुटबॉल को किक मारकर और गुब्बारे उड़ाकर किया। उन्हें भाग लेने वाली सभी पाँच टीमों के खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं और रेफरी से परिचय कराया गया। दिनेश माटे, सीनियर डीएजी ने टूर्नामेंट और व्यवस्थाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी, मेघना जैन ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया, विनीत घाडगे, सीनियर ऑडिट अधिकारी ने सभी का स्वागत किया जबकि वंदना शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर परअक्षय खंडारे, वरिष्ठ उपमहालेखाकार, डॉ. भूषण भिरुद, वरिष्ठ उपमहालेखाकार, बी. मणिमोझी, उपमहालेखाकार, मेघना जैन उपमहालेखाकार, मंगेश टोंगो, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी कल्याणतथा बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संजीव गोयनका ने खरीदी मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की टीम

गोयनका ने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के ऑपरेशन के लिए लंकाशर के साथ पार्टनरशिप का अधिकार हासिल कर लिया। गोयनका ने ई-नीलामी के जरिए 1252 करोड़ की बोली लगाकर यह मैनचेस्टर की फ्रैंचाइजी हासिल की। इस टीम के कप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट है।

14 फरवरी से होगा महिला प्रीमियर लीग का आगाज

नई दिल्ली.

महिला प्रीमियर लीग 2025 यानी डब्ल्यूपीएल के तीसरे सीजन की शुरुआत 14 फरवरी से होने जा रही है। चार शहरों में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में 5 टीमें हिस्सा लेंगी। डब्ल्यूपीएल के पहले छह मैच वडोदरा, उसके बाद 8 मैच बेंगलुरु फिर चार मैच लखनऊ और नॉकआउट समेत चार मैच मुंबई में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट का शुरुआती मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात जायंट्स के बीच 14 फरवरी को वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों ही टीम इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार आगाज करना चाहेंगी।ॉक्स

महिला प्रीमियर लीग 2025 की टीमें

1. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2. मुंबई इंडियंस 3. गुजरात जायंट्स 4. यूपी वॉरियर्स 5. दिल्ली कैपिटल्स

10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा में आठ निशानेबाजों ने फाइनल में बनाई जगह

देहरादून.

38वें राष्ट्रीय खेल में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में देशभर से 45 प्रतिभागियों ने फाइनल में स्थान पाने के लिए कड़ी टक्कर दी। रोमांचक मुकाबले के बाद, मंगलवार को शीर्ष आठ निशानेबाजों ने अपनी जगह पक्की कर ली। हरियाणा की सुरूचि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 585 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि उनकी राज्य की साथी पलक ने 580 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। दिल्ली की नियमिका राणा ने 576 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र की अनुभवी निशानेबाज राही सरनोबत ने 575 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया।

अभिषेक शर्मा के दीवाने हुए ब्रैंडन मैकुलम

मुंबई.

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए पांचवें टी20 में शानदार पारी खेलते हुए 54 गेंदों में 7 चौके और 13 छक्कों की मदद से 135 रनों की पारी खेली थी. इस दौरान अभिषेक भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने थे. अब 'बैजबॉल' लाने वाले इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम ने भी जमकर अभिषेक की तारीफ की. मैकुलम ने कहा कि अभिषेक ने ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, जो 90 मील प्रति घंटे (करीब 145 प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं. इसके अलावा इंग्लिश टीम में अनुभवी स्टार स्पिनर आदिल रशीद भी मौजूद थे, जिनके सामने दुनिया के अच्छे-अच्छे बल्लेबाज भी संघर्ष करते हैं.

इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम ने कहा,"सबसे पहले और सबसे जरूरी बात, अभिषेक की जो पारी हमने देखी वह उतनी ही अच्छी पारी है जितनी हमने टी20 क्रिकेट में कभी देखी है. वह किसी भी अटैक के खिलाफ ऐसा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह ऐसा चार गेंदबाजों के खिलाफ कर रहे हैं जो 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकते हैं और एक बेहतरीन लेग स्पिनर हैं.

गौरतलब है कि अभिषेक भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल खेलते हैं. उन्होंने अब तक 17 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल लिए हैं, जिनकी 16 पारियों में बैटिंग करते हुए 33.43 की औसत और 193.84 के स्ट्राइक रेट से 535 रन बना लिए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकल चुके हैं, जिसमें उनका हाई स्कोर 135 रनों का रहा है.

कॉन्स्टस ने श्रीलंका दौरा बीच में छोड़ने का किया फैसला

नई दिल्ली.

ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम इन दिनों श्रीलंका के दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है. सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने युवा ओपनर सैम कॉन्स्टस को भी शामिल किया था. हालांकि उन्हें पहले टेस्ट में जगह नहीं मिली थी. उनकी जगह ट्रेविस हेड ने ओपनिंग की थी. इसके बाद अब माना जा रहा है कि दूसरे टेस्ट में भी उनका पत्ता कटना तय है. इसे ध्यान में रखते हुए सैम ने ऑस्ट्रेलिया वापस लौटने का मन बना लिया है. सैम के मुताबिक सीरीज को बीच में छोड़कर ही वो वापस घर आ रहे हैं. सैम कॉन्स्टस को दूसरे टेस्ट के लिए मौका मिलना मुश्किल है. ऐसे में वो अपना समय व्यर्थ ना करते हुए ऑस्ट्रेलिया लौट आएंगे. यहां सैम घरेलू टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में खेल सकते हैं. मैं पहले गेम (शनिवार, 8 फरवरी को एनएसडब्ल्यू बनाम क्वींसलैंड) के लिए लौट सकता हूं'. उनका करियर अभी शुरू ही हुआ है और ऐसे में उन्हें ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करने की जरूरत है. ऑस्ट्रेलिया लौटकर सैम शेफील्ड शील्ड में खेलकर अपनी प्रैक्टिस को और मजबूत करना चाहेंगे. मुझे उम्मीद है कि सिडनी आकर मैं इसे फॉलो करूंगा. अपनी ताकत को पहचानकर परिस्थितियों के हिसाब से लंबे समय तक ऐसा करने की कोशिश करना चाहूंगा'.

करुणारत्ने का 100वें टेस्ट के बाद संन्यास का फैसला

नई दिल्ली.

श्रीलंका के पूर्व कप्तान दिमुथ करुणारत्ने अपना 100वां टेस्ट खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे। करुणारत्ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से होने वाले दूसरे टेस्ट में हिस्सा लेंगे जो उनका अंतिम मैच होगा। 36 वर्षीय करुणारत्ने श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाजों में शामिल हैं जिन्होंने 7172 रन बनाए हैं जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

करुणारत्ने श्रीलंका के लिए 50 वनडे भी खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने 1316 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनके बल्ले से एक शतक और 11 अर्धशतक निकले हैं। करुणारत्ने ने कहा, एक टेस्ट खिलाड़ी के लिए एक साल तक चार टेस्ट खेलने और अपनी फॉर्म बरकरार रखने के लिए खुद को प्रेरित रखना मुश्किल होता है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) शुरू होने के बाद पिछले दो-तीन वर्षों में, हम बहुत कम द्विपक्षीय सीरीज आयोजित कर रहे हैं। मेरा मौजूदा फॉर्म एक और कारण है। डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र का अंत 100वें टेस्ट के साथ खत्म करने के बाद मुझे लग रहा है कि यह संन्यास लेने का सही समय है।

कम टेस्ट खेलने पर जताई निराशा

उन्होंने कहा, मेरी अपनी कुछ निजी योजनाएं हैं।

मैंने एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांडीमल जैसे अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों से बात करने के बाद संन्यास लेने का फैसला किया है। हम तीनों के एक ही समय पर संन्यास लेने से बेहतर होगा कि हम एक-एक करके खेल को अलविदा कहें। मैंने सोचा कि मैं पहले संन्यास लूंगा क्योंकि मुझे पता है कि कम टेस्ट खेलने के कारण मैं अपने अगले लक्ष्य 10000 रन तक नहीं पहुंच सकता। अब तक जो कुछ मैंने हासिल किया है उससे खुश हूं। मैं 100वां टेस्ट खेलकर संन्यास लेने की घोषणा करता हूं।

ओलंपिक एसोसिएशन ने ताइक्वांडो फिक्सिंग मामले में कड़ी कार्रवाई की

नई दिल्ली.

भारत का ओलंपिक-स्टाइल मल्टी-स्पोर्ट इवेंट यानी नेशनल गेम्स का आयोजन उत्तराखंड में हो रहा है. इस बड़े इवेंट के बीच फिक्सिंग का बड़ा मामला सामने आया है. तकनीकी आचरण समिति (जीटीसीसी) ने ताइक्वांडो प्रतियोगिता के निदेशक टी. प्रवीण कुमार को हटा दिया है. वहीं, टी प्रवीण कुमार के स्थान पर एस दिनेश कुमार को ताइक्वांडो प्रतियोगिता निदेशक के रूप में नामित किया है. प्रवीण कुमार पर नेशनल गेम्स में ताइक्वांडो स्पर्धा के परिणामों में संभावित हेरफेर का भी आरोप लगाया गया था. जिसके बाद ये एक्शन लिया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों से गोल्ड मेडल के लिए 3 लाख रुपए, सिल्वर मेडल के लिए 2 लाख रुपए और ब्रॉन्ज मेडल के लिए 1 लाख रुपए की मांग की जा रही थी. जिसके बाद इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन ने कड़ी कार्रवाई की.

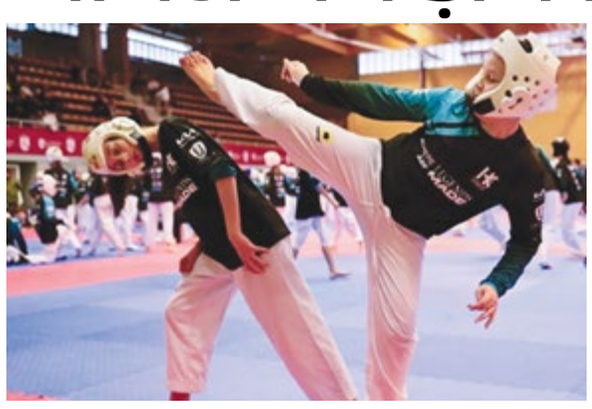

बता दें, ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 16 वेट कैटेगरी में से 10 कैटेगरी के मेडल विनर पहले से तय कर दिए थे. जिसके बाद इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की जीटीसीसी समिति ने इस मामले की जांच की और पाया कि कुछ अधिकारी पहले से ही मेडल के नतीजे तय करने में शामिल थे.

पीटी उषा ने जताई नाराजगी

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी इस मामले की कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा, 'हम सभी खिलाड़ियों के लिए निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं. यह बेहद चौंकाने वाला और दुखद मामला है कि नेशनल गेम्स के मेडल्स की सौदेबाजी की जा रही थी. किसी भी तरह की हेरफेर या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो भी इसमें दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.'

दूसरी ओर जीटीसीसी समिति की अध्यक्ष सुनैना कुमारी ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि हम पीएमसी समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखें और नेशनल गेम्स उत्तराखंड की अखंडता की रक्षा करें. पूर्व प्रतियोगिता निर्देशक के खिलाफ शिकायतें मिलने के अलावा, हम यह जानकर भी हैरान हैं कि उन्होंने कुछ राज्य संघों के पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ-साथ चयन ट्रायल के लिए उपकरण विक्रेता के रूप में खेल-विशिष्ट स्वयंसेवकों के रूप में नामित किया था.

टाइगर मैराथन में दौड़ेंगे विभिन्न राज्यों के धावक

नई दिल्ली. केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'फिट इंडिया हिट इंडिया' के तहत अलवर सांसद खेल उत्सव में 09 फरवरी को टाइगर मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा।

जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि इस टाइगर मैराथन में अलवर जिले सहित विभिन्न राज्यों से भी धावक हिस्सा लेंगे। टाइगर मैराथन में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन दौड़ इंदिरा गांधी स्टेडियम से शुरू होकर भवानी तोप सर्किल से गुजरते हुए नारु मार्ग पर लेमन ट्री होटल से यू टर्न लेकर वापस भवानी तोप चौराहे से मिनी सचिवालय के सामने से निकलते हुए कटी घाटी से अहिंसा सर्किल पहुंचेगी और वहां से यह दौड़ अलवर जयपुर मार्ग पर सिल्वर ऑक स्कूल के सामने से और चोर डूंगरी के पास से गुजरते हुए परशुराम सर्किल पहुंचेगी।

इस खिलाड़ी को टीम इंडिया में मिली जगह

अभी तक नहीं खेला है 1 भी वनडे मैच

नई दिल्ली.

टीम इंडिया ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से बाजी मारी थी. अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी. इस सीरीज की शुरुआत 6 फरवरी से होने जा रही है. इसी बीच बीसीसीआई ने टीम इंडिया के स्क्वॉड में बड़ा बदलाव किया है. दरअसल, टीम के स्क्वॉड में एक ऐसे खिलाड़ी को शामिल किया गया है जिसने हाल ही में टी20 सीरीज में काफी दमदार प्रदर्शन किया था. बता दें, इस खिलाड़ी ने टीम इंडिया के लिए अभी तक एक भी वनडे मैच नहीं खेला है.

टीम इंडिया में शामिल किया गया ये खिलाड़ी

इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती सबसे सफल गेंदबाज रहे थे. वरुण चक्रवर्ती को अब इस प्रदर्शन का इनाम मिल गया है. दरअसल, टीम इंडिया की सेलेक्शन कमेटी ने वरुण चक्रवर्ती को वनडे सीरीज में शामिल करने का फैसला लिया है. उनके हालिया प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि उन्हें पहले मैच की प्लेइंग 11 में भी मौका मिल सकता है, जो वनडे में उनका डेब्यू मैच होगा. बीसीसीआई की ओर से भी इस बदलाव का ऐलान हो गया है.

टी20 सीरीज में की जादुई गेंदबाजी

टी20 सीरीज में वरुण चक्रवर्ती सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे थे. उन्होंने 5 मैचों में 7.66 की इकॉनमी और 9.85 की औसत से 14 विकेट अपने नाम किए थे. उनके अलावा और कोई भी गेंदबाज इस सीरीज में 10 विकेट का आंकड़ा नहीं छू सका था. भारत की ओर से एक टी20 सीरीज में ये सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी है. इससे पहले भी ये रिकॉर्ड वरुण चक्रवर्ती के नाम था. उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में 12 विकेट हासिल किए थे. वह फिलहाल टीम इंडिया के साथ नागपुर में ही हैं, जहां वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा. उन्हें बाकी खिलाड़ियों के साथ प्रैक्टिस करते हुए भी देखा गया था.

अश्विन ने सूर्यकुमार को दी बल्लेबाजी में बदलाव की सलाह

नई दिल्ली.

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को बल्लेबाजी शैली में बदलाव करने की सलाह दी है। सूर्यकुमार इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था, लेकिन बल्लेबाजी में वह प्रभावित नहीं कर सके थे। पांच मैचों में उन्होंने 5.60 के औसत से 28 रन बनाए।

सूर्यकुमार इस दौरान दो मैचों में खाता भी नहीं खोल सके थे और संजू सैमसन के जैसे एक ही तरह की गेंद पर आउट हो रहे थे। अपने यू-ट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने

कहा कि असली दिक्कत सूर्यकुमार की बल्लेबाजी है, कप्तानी नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सूर्यकुमार और सैमसन हर बार एक ही तरह की गेंद पर आउट हो रहे थे। अश्विन का मानना है कि सूर्यकुमार को अपनी बल्लेबाजी में ध्यान देने की जरूरत है और इस तरह की गेंदों को अच्छी तरह खेलने की जरूरत है।

अश्विन ने कहा, सूर्यकुमार की बल्लेबाजी दिक्कत की बात है। सीरीज में उनकी कप्तानी अच्छी रही थी, लेकिन उन्हें बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है। सैमसन और सूर्यकुमार एक ही तरह की गेंद पर, एक जैसे शॉट लगाकर आउट हुए और बार-बार वही गलती की। मैं समझ सकता हूं कि ऐसा एक-दो मैच में हो सकता है, लेकिन यह अब अस्वाभाविक नहीं है। खिलाड़ियों को स्वतंत्र होकर खेलने की जरूरत है, लेकिन हमारे बल्लेबाजों को ऐसी गेंदों का सामना करने के लिए शॉट ढूंढने होंगे।

अश्विन ने कहा कि सूर्यकुमार काफी अनुभवी हैं, लेकिन अब समय है कि वह अपनी बल्लेबाज शैली को बदलें। अश्विन ने कहा, सूर्यकुमार यादव काफी अनुभवी हैं और कहा जा सकता है कि वह बदलाव के अगुआ रहे हैं, लेकिन अब समय है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी शैली को बदलना होगा। भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत करेगी और फिर टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना है। सूर्यकुमार यादव इस दौरान मुंबई के लिए रणजी मैच खेलने के लिए खुद को उपलब्ध रख सकते हैं।

सपा नेता आजम खान की फिर बढ़ी मुश्किलें

रामपुर.

सपा शासन में 18 साल पहले एक पापड़ फैक्टरी पर बुलडोजर चलवाने और रंगदारी मांगने के आरोप में सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता आजम खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोर्ट ने पुलिस की फाइनल रिपोर्ट खारिज कर मामले की दोबारा विवेचना के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को होनी है।

आरोप है कि 19 जुलाई 2006 को आजम खां के आदेश पर प्रशासनिक अधिकारियों ने सैंजनी नानकार स्थित पापड़ फैक्टरी, सेलर और आटा चक्की को जबरन ध्वस्त कर दिया। पीड़ित जुल्फेकार खां का आरोप है कि सपा नेता ने उनसे पांच लाख रुपये चंदा मांगा था और न देने पर यह कार्रवाई हुई।

इस मामले में 10 जुलाई 2007 को गंज थाने में आजम खां के खिलाफ रंगदारी, धमकी, मारपीट और तोड़फोड़ की धाराओं में केस दर्ज हुआ। पुलिस ने जांच के बाद फाइनल रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल की, लेकिन वादी ने आपत्ति जताते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए।

जुलाई 2007 में एफआईआर दर्ज की गई : 2007 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सत्ता में आने के बाद पीड़ितों ने 10 जुलाई, 2007 को पुलिस अधीक्षक (एसपी) को एक लिखित शिकायत सौंपी। रंगदारी के आरोप में आजम खान के खिलाफ गंज पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने अपनी जांच पूरी करने के बाद अदालत को एक अंतिम रिपोर्ट सौंपी, जिसने शिकायतकर्ताओं को नोटिस जारी किए। हालाँकि, अब मृत अफ़ज़ल खान के बेटे जुल्फिकार खान ने अपने वकील के माध्यम से पुलिस के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए और जांच की अखंडता पर सवाल उठाते हुए आपत्ति दर्ज कराई।

कोर्ट का आदेश

एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट ने वादी की दलील सुनने के बाद पुलिस की रिपोर्ट खारिज कर दोबारा जांच के आदेश दिए हैं। बता दें कि आजम खां इस समय सीतापुर जेल में अपने बेटे अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में सजा काट रहे हैं।

युगांडा की राजधानी में इबोला वायरस का प्रकोप जारी

कंपाला. युगांडा की राजधानी कंपाला में इबोला वायरस के प्रकोप के बाद सरकार ने एक आईसोलेशन और उपचार केंद्र स्थापित किया है. यह सुविधा मुलागो नेशनल रेफरल अस्पताल में बनाई गई है और इसमें 84 बिस्तर हैं. इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और विश्व बैंक के सहयोग से विकसित किया गया है. स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी हेनरी क्योबे बोसा ने बताया कि यह केंद्र सूडान इबोला वायरस रोग (एसवीडी) के संदिग्ध और पुष्ट मामलों का प्रबंधन करेगा. उन्होंने कहा कि यहां एक राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा टीम तैनात की गई है, जो पहले से प्रशिक्षित है और मरीजों की देखभाल के लिए तैयार है.इसके अलावा, एमबाले में भी एक अलगाव केंद्र बनाया जा रहा है, जो जल्द ही काम करना शुरू कर देगा.

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि मृतक के संपर्क में आए 45 लोगों की पहचान कर ली गई है और उनकी निगरानी की जा रही है. सरकार ने जनता से शांत रहने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि स्थिति नियंत्रण में है.

तिलक समारोह में युवक की गोली मारकर हत्या

> आर्केस्ट्रा में लड़कियों संग डांस कर पैसे उड़ा रहा था शख्स

गया.

बिहार के गया जिले में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। एक तिलक समारोह में आर्केस्ट्रा डांस का आयोजन किया गया था। स्टेज पर कई लड़कियां डांस कर रही थीं। तभी स्टेज पर चढ़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक की गोली से हत्या किए जाने का लाइव वीडियो भी सामने आया है।

मनोरंजन के लिए की गई थी आर्केस्ट्रा डांस की व्यवस्था : लड़कियों के डांस के बीच युवक की हत्या किए जाने का मामला गया के कोंच थाना क्षेत्र के तूतुरखी गई गांव का है। जहां तिलक समारोह का आयोजन हो रहा था। इस दौरान मेहमानों के मनोरंजन के लिए आर्केस्ट्रा डांस की भी व्यवस्था की गई थी।

दोस्त के तिलक समारोह में आया था युवक : इसी दौरान एक युवक मंच पर चढ़कर लड़कियों के साथ डांस कर पैसा उड़ाने लगा, तभी दर्शकों की भीड़ में रहे अपराधियों ने गोली मारकर युवक हत्या कर दी। मृतक युवक की पहचान अंजनी कुमार के रूप में हुई है। वह अपने दोस्त के तिलक समारोह में गया था। घटना सोमवार की देर रात 3 बजे की बताई जा रही है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव : घटना के संबंध में सीटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि मौके पर कोंच थाना पुलिस पहुंची है। टिकारी एसडीपीओ के नेतृत्व में घटनास्थल स्थल पर बैरिकेडिंग किया गया। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेजा गया है।

अपराधियों को पकड़ने के लिए की जा रही है छापेमारी : पुलिस ने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। साथ ही एफएसएल और तकनीकी टीम को भी घटनास्थल पर भेजा गया है। पुलिस अधिकारी रामानंद कुमार कौशल ने कहा कि जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इसके लिए छापेमारी की जा रही है।

तमिलनाडु के मदुरै में दो दिनों के लिए लगाया गया कर्फ्यू

मदुरै.

तमिलनाडु के मदुरै में थिरुपुरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित सिकंदर दरगाह पर पशु बलि की अनुमति देने की कुछ मुस्लिम समूहों की मांग के खिलाफ हिंदू मुन्नानी के विरोध प्रदर्शन से एक दिन पहले, मदुरै जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (सीआरपीसी की धारा 144) लागू कर दी है। इस धारा के तहत विरोध प्रदर्शनों और सार्वजनिक प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दो दिनों के लिए लगाई गई है निषेधाज्ञा : मदुरै जिला प्रशासन ने चार फरवरी को प्रदर्शन की घोषणा किये जाने के बाद थिरुपरनकुंद्रम और जिले के अन्य हिस्सों में दो दिनों तक के लिए निषेधाज्ञा लगा दी है। जिलाधिकारी एमएस संगीता ने कहा है कि तीन फरवरी सुबह छह बजे से पांच फरवरी की रात 12 बजे तक यानी दो दिनों के लिए निषेधाज्ञा लगायी गई है। 'हिंदू मुन्नानी' यानी हिंदू मोर्चा ने थिरुपरनकुंद्रम में मांसाहारी भोजन खाने वाले लोगों के एक वर्ग के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने की अनुमती मांगी.

बता दें कि थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर भगवान सुब्रह्मण्य स्वामी का मंदिर है। पुलिस ने मंदिर के सामने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है और थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी के चारों ओर सुरक्षा के लिए 300 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

कानपुर की मेयर बुलडोजर लेकर पहुंचीं अतिक्रमण हटवाने

कानपुर.

यूपी के कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय लगातार एक्शन मोड पर हैं। एक महीने से शहर के अतिक्रमणकारियों की शामत बना मेयर अम्मा का बुलडोजर खौफ का पर्याय बन चुका है। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ महापौर का अभियान लगातार जारी है। महापौर प्रमिला पांडेय ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ एक बार फिर से बुलडोजर कार्रवाई की।

32 अवैध अतिक्रमण ध्वस्त किए : महापौर के नेतृत्व में विकास नगर मनोरमा पैलेस के सामने अभियान शुरू किया गया। यहां पर नालों एवं नालियों पर बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कर लिए गए थे। अवैध अतिक्रमण के कारण नालों का पानी सड़कों और लोगों के घरों में घुस रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों के कारण यहां पर नालों के ऊपर बने करीब 32 अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया गया।

जुर्माना लगाने की दी चेतावनी : अभियान के दौरान भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही। महापौर ने इस दौरान चेतावनी दी कि अगर फिर से यहां पर दोबारा अतिक्रमण हुआ तो ना केवल जुर्माना लगाया जाएगा बल्कि विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। महापौर ने एक बार फिर दोहराया कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहा अभियान लगातार जारी रहेगा।

इन जगहों पर पहले भी चल चुका है बुलडोजर : आपको बता दें कि इन दिनों महापौर प्रमिला पांडेय शहर में अतिक्रमण को हटाने का लगातार अभियान चला रही हैं। इससे पहले उन्होंने सीसामऊ, गोविंद नगर, बाबूपुरवा, और बेकनगंज में अभियान चलाकर नालों और फुटपाथ पर किए गए बड़े पैमाने पर कब्जों को हटाया था।

इससे दिसंबर 2024 में कानपुर के बारा सिरोही क्षेत्र में केडीए ने अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया गया था। केडीए ने चार बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करवाया था। लोगों ने सरकारी जमीन पर घर बना रखे थे। प्रशासन ने करीब 8 करोड़ रुपये के मूल्य की जमीन पर बने प्लॉटिंग, चारदीवारी और मकानों को जमींदोज किया था।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की उठी मांग

नई दिल्ली.

संसद में एक बार फिर पश्चिम बंगाल का नाम बदलने का मुद्दा गूंजा है। यहां टीएमसी ने पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'बांग्ला' करने की मांग की है। टीएमसी की सांसद ने कहा कि यह नाम राज्य के इतिहास और संस्कृति को प्रतिबिंबित करता है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए सांसद रीताब्रत बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने जुलाई 2018 में सर्वसम्मति से राज्य का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया गया था। केंद्र ने अभी तक इसे मंजूरी नहीं दी है।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र : उन्होंने कहा कि सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र भी लिखा और कहा कि नामकरण राज्य के इतिहास, संस्कृति और पहचान से मेल खाता है और यहां के लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित भी करता है। वर्ष 1947 में बंगाल को विभाजित किया गया। भारतीय हिस्से को पश्चिम बंगाल कहा गया और दूसरे हिस्से का नाम पूर्वी पाकिस्तान रखा गया। 1971 में, पूर्वी पाकिस्तान ने स्वतंत्रता की घोषणा की और बांग्लादेश का एक नया राष्ट्र बना। बनर्जी ने कहा कि आज कोई पूर्वी पाकिस्तान नहीं है।

कई शहरों के बदले नाम : सांसद रीताब्रत बनर्जी ने कहा, ''हमारे राज्य का नाम बदलने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल के लोगों के जनादेश का सम्मान किए जाने की जरूरत है। आखिरी बार 2011 में किसी राज्य का नाम बदला गया था, जब उड़ीसा का नाम बदलकर ओडिशा किया गया था।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई शहरों के नाम परिवर्तित किए गए हैं। इनमें बॉम्बे शामिल है, जो 1995 में मुंबई में बदल दिया गया, 1996 में मद्रास को चेन्नई, 2001 में कलकत्ता को कोलकाता और 2014 में बैंगलोर से बेंगलुरु में बदल दिया गया।

गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेला का दर्जा देने की मांग

इसके अलावा टीएमसी की ममता ठाकुर ने गंगासागर मेले के पौराणिक महत्व को रेखांकित करते हुए इसे राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस साल अभी तक एक करोड़ से अधिक लोगों ने वहां पर डुबकी लगाई है और यह संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने कहा कि बगैर किसी केंद्रीय मदद के राज्य सरकार तीर्थ यात्रियों को सारी सुविधाएं प्रदान कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका में टीचर की करतूत

> हिंदू छात्र की कलाई से काटा कलावा

जोहानिसबर्ग.

दक्षिण अफ्रीका के एक स्कूल में टीचर ने कथित तौर पर एक हिंदू छात्र की कलाई से धार्मिक धागा (कलावा) काट दिया। इस घटना के बाद हिंदू समाज में गुस्सा और नाराजगी फैल गई है। हिंदू समुदाय के लोगों ने इसे असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना हरकत बताते हुए इसकी निंदा की है। यह घटना पिछले सप्ताह क्वाजुलु-नताल प्रांत के ड्रेकेंसबर्ग सेकेंडरी स्कूल में हुई थी।

अफ्रीकी हिंदू महासभा ने की कार्रवाई की मांग : दक्षिण अफ्रीकी हिंदू महासभा (एसएएचएमएस) ने शिक्षक की इस हरकत के बाद शिक्षा अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने एक प्रेस बयान में कहा, "एसएएचएमएस एक शिक्षक द्वारा हिंदू विद्यार्थी का कलावा काटने की असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है। संविधान में धार्मिक अधिकारों और स्वतंत्रता के दक्षिण अफ्रीका चार्टर में धर्म सहित विभिन्न आधारों पर भेदभाव की मनाही है। सरकार ने भेदभावपूर्ण प्रथाओं से संबंधित किसी भी शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए वैधानिक मानवाधिकार आयोग की स्थापना की है।

इस बीच शिक्षक का दावा था कि स्कूल सांस्कृतिक या धार्मिक प्रतीकों को पहनने की अनुमति नहीं देता है।

दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने की थी हिंदुओं की प्रशंसा : इस बीच यहां यह भी बता दें कि, हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल माशातिले ने बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण (बीएपीएस) संस्था के बहु-सांस्कृतिक केंद्र और मंदिर के प्रथम चरण का उद्घाटन किया था। इस दौरान माशातिले ने कहा था कि बीएपीएस के सिद्धांत दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रीय लोकाचार उबुंटू से मिलते-जुलते हैं। माशातिले ने स्थानीय हिंदू समुदाय की प्रशंसा करते हुए कहा था कि हमें राष्ट्र निर्माण में हिंदू समुदाय की भूमिका पर विचार करना चाहिए। इस समुदाय की सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्य समृद्ध हैं। हिंदुओं ने हमारे विविधतापूर्ण समाज के सामाजिक ताने-बाने को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है।

पाकिस्तान में बढ़ाई गई न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीकन क्रिकेट टीम की सुरक्षा

लाहौर.

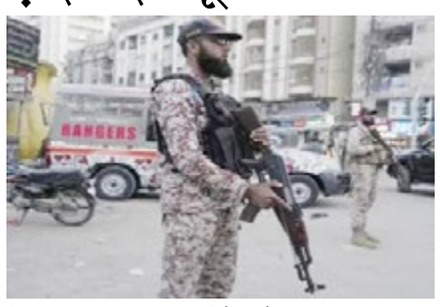

पाकिस्तान में आठ फरवरी से शुरू होने जा रही त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों की सुरक्षा को पुख्ता करने के तहत बुधवार से लाहौर में सेना के जवान और रेंजर्स तैनात रहेंगे। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इसी दिन विरोध मार्च निकालने की योजना बनाई है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, ''गृह मंत्रालय ने पांच फरवरी से 10 फरवरी के बीच लाहौर में त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम की सुरक्षा के लिए पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की तैनाती की अनुमति दी है।''

पीटीआई ने किया है विरोध का ऐलान : इमरान खान (72) कई मामलों में 2023 के से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं और फरवरी 2024 में हुए आम चुनावों के बाद से मौजूदा सरकार और खान की पार्टी के बीच टकराव देखा जा रहा है। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि वह आठ फरवरी को 'ब्लैक डे' के रूप में मनाएगी और इस दिन लाहौर में ऐतिहासिक मीनार-ए-पाकिस्तान पर विरोध रैली निकालेगी। पिछले साल आठ फरवरी को ही पाकिस्तान में आम चुनाव हुए थे और पीटीआई आरोप लगाती रही है कि चुनाव में उनकी पार्टी को मिले जनादेश में गड़बडी की गई है।

पंजाब पुलिस के जवानों को किया गया तैनात : सेना और रेंजर्स के अलावा, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस के जवानों को भी दोनों टीमों की सुरक्षा के लिए तैनात किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा, ''विदेशी टीमों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।'' त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के तहत मुकाबले आठ से 10 फरवरी के बीच गद्दाफी स्टेडियम में और 12 से 14 फरवरी के बीच कराची में खेले जाएंगे। हालांकि सरकार ने अभी तक 'पीटीआई' को रैली के लिए अनुमति नहीं दी है, लेकिन 'पीटीआई' ने कहा कि चाहे जो भी हो वह विरोध मार्च निकालेगी।

8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी में जबरदस्त बढ़ोत्तरी ?

नई दिल्ली.

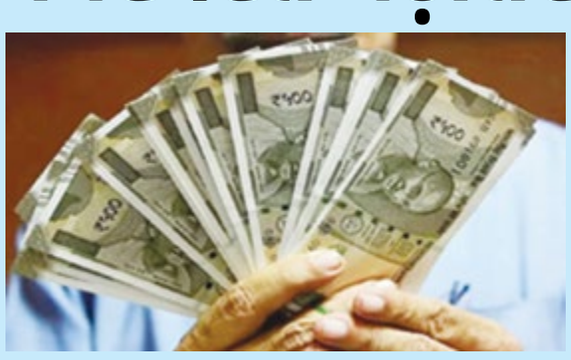

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2025 में 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी थी। 8वां वेतन आयोग 1 जनवरी, 2026 से लागू होगा, जिसके बाद देश के सभी सरकारी (केंद्र) की सैलरी में जबरदस्त बढ़ोतरी हो जाएगी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि 8वें वेतन आयोग के तहत सभी कर्मचारियों की सैलरी में 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के आधार पर बढ़ोतरी हो सकती है। यहां हम आपको बताएंगे कि 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के हिसाब से किस लेवल के कर्मचारी की सैलरी में कितनी बढ़ोतरी होगी।

लेवल 1

लेवल 1 के कर्मचारियों में चपरासी, सपोर्ट स्टाफ जैसे लोग होते हैं। फिलहाल, इन कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है। 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के हिसाब से सैलरी बढ़ी तो इन लोगों की सैलरी 33,480 रुपये बढ़कर 51,480 रुपये हो जाएगी।

लेवल 2

लेवल 2 के तहत लोअर डिविजन के क्लर्क होते हैं। इन कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 19,900 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 37,014 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 56,914 रुपये हो जाएगी।

लेवल 3

इस लेवल के कर्मचारियों में पुलिस कॉन्स्टेबल और स्किल स्टाफ होते हैं। इनकी करेंट बेसिक सैलरी 21,700 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 40,362 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 62,062 रुपये हो जाएगी।

लेवल 4

इसमें पुलिस स्टेनोग्राफर और जूनियर क्लर्क होते हैं। इनकी करेंट बेसिक सैलरी 25,500 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 47,430 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 72,930 रुपये हो जाएगी।

लेवल 5

लेवल 5 के तहत सीनियर क्लर्क और हाई लेवल टेक्निकल ऑफिसर आते हैं। इन कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 29,200 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 54,312 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 83,512 रुपये हो जाएगी।

लेवल 6

इस लेवल के कर्मचारियों में इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर होते हैं। इनकी मौजूदा बेसिक सैलरी 35,400 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 65,844 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,01,244 रुपये हो जाएगी।

लेवल 7

लेवल 7 के तहत सुपरिटेंडेंट, सेक्शन ऑफिसर और असिस्टेंट इंजीनियर आते हैं। इन कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 44,900 रुपये है। वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 83,514 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,28,414 रुपये हो जाएगी।

लेवल 8

इसमें सेक्शन ऑफिसर और असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर होते हैं। इनकी करेंट बेसिक सैलरी 47,600 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 88,536 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,36,136 रुपये हो जाएगी।

लेवल 9

इस लेवल के कर्मचारियों में डिप्टी सुपरिटेंडेंट और अकाउंट ऑफिसर आते हैं। इनकी मौजूदा बेसिक सैलरी 53,100 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 98,766 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,51,866 रुपये हो जाएगी।

लेवल 10

लेवल 10 के सरकारी कर्मचारियों में सिविल सर्विस के अधिकारी और ग्रुप-ए के अधिकारी होते हैं। इन अधिकारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 56,100 रुपये है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद इनकी सैलरी 1,04,346 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,60,446 रुपये हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित नहीं करने पर असम सरकार को कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से पूछा कि क्या वह उन 63 विदेशी लोगों को निर्वासित करने के लिए किसी "मुहूर्त" (शुभ समय) का इंतजार कर रही है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने असम सरकार से राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की प्रक्रिया के दौरान विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित करने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार : न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि असम तथ्यों को दबा रहा है, जिस पर भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दिया कि उन्होंने सर्वोच्च प्राधिकारी से बात की है और "कुछ कमियों" के लिए माफी मांगी है। न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि हम आपको झूठी गवाही का नोटिस जारी करेंगे। आपको सफ़ाई देनी होगी। हालाँकि राज्य के वकील ने कहा कि "छिपाने का कोई इरादा नहीं है"।

किसी को हमेशा के लिए हिरासत में नहीं रख सकते : इसके बाद, न्यायमूर्ति भुइयां ने पूछा, "एक बार जब आप किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित कर देते हैं, तो आपको अगला तार्किक कदम उठाना चाहिए। आप उन्हें हमेशा के लिए हिरासत में नहीं रख सकते। असम में कई विदेशी हिरासत केंद्र हैं। आपने कितनों को निर्वासित किया है?" इसके बाद पीठ ने असम सरकार को अवैध अप्रवासियों को तुरंत निर्वासित करने का निर्देश दिया।

राज्य की इस प्रतिक्रिया को खारिज करते हुए कि उनके देशों में विदेशियों के पते ज्ञात नहीं थे, न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि आप उन्हें उनकी देश की राजधानी में निर्वासित कर दें। मान लीजिए कि वह व्यक्ति पाकिस्तान से है, तो आप पाकिस्तान की राजधानी को जानते हैं? उन्हें यह कहकर यहीं हिरासत में नहीं रखें कि उनका विदेशी पता ज्ञात नहीं है? पीठ ने कहा कि विदेशियों को तुरंत निर्वासित किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने पूछा ये सवाल : न्यायमूर्ति ओका ने कहा, ''आप उनकी नागरिकता की स्थिति जानते हैं। फिर आप उनका पता मिलने तक कैसे इंतज़ार कर सकते हैं? यह दूसरे देश को तय करना है कि उन्हें कहां जाना चाहिए। उन्होंने असम से यह भी पूछा कि उसने प्रक्रिया को पूरा करने में मदद मांगने के लिए विदेश मंत्रालय को एक प्रस्ताव क्यों नहीं सौंपा।

भारतीय एक्टिविस्ट जहैक तनवीर रिहा

सऊदी अरब.

सऊदी अरब की जेल में एक साल से कैद भारतीय एक्टिविस्ट जहैक तनवीर रिहा हो गए हैं. जहैक को दिसंबर 2023 में पाकिस्तान विरोधी कंटेंट सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में सऊदी अरब में गिरफ्तार किया गया था. जो अब एक साल के बाद जेल से आजाद हो गए हैं.

भारतीय दूतावास और विदेश मंत्री को कहा धन्यवाद : जेल से बाहर आने के बाद जहैक तनवीर ने सोशल मीडिया पर अपनी रिहाई की पुष्टि की. तनवीर ने अपनी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए भारत और भारतीय दूतावास को धन्यवाद कहा है. जहैक ने विशेष कर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और भारतीय राजनयिक सुहेल एजाज खान को धन्यवाद दिया. जहैक ने बताया कि भारतीय अधिकारी अक्सर उनसे मिलने जेल में आते थे और उन्हें हर तरह से मदद करते थे.

जेल से रिहा होने के बाद बोले जहैक तनवीर : 39 साल के जहैक तनवीर ने द प्रिंट से कहा कि उन्हें दिसंबर 2023 में पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) की शिकायत के बाद सऊदी पुलिस ने गिरफ्तार किया था. तनवीर पर आरोप लगा था कि उन्होंने पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की थी. सऊदी अधिकारियों ने जहैक के पोस्ट को पाकिस्तान और सऊदी अरब के राजनयिक संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाला माना था. इसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई थी. तनवीर ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि सऊदी अरब में पाकिस्तान के खिलाफ बोलना मना है.

अच्छा नहीं था सऊदी अरब के अधिकारियों का व्यवहार : तनवीर ने द प्रिंट को बताया कि सऊदी अरब की पुलिस ने जहैक को हिरासत में लेने के बाद लंबे समय तक बैठाए रखा था. उन्हें कई घंटों तक यह भी नहीं बताया कि उन पर कौन से आरोप लगाए गए हैं. लंबी पूछताछ के बाद सऊदी के अधिकारियों ने दावा करते हुए कहा, "आप पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच तनाव पैदा करना चाहते हैं." तनवीर ने कहा कि उनके सोशल मीडिया पोस्ट करने का उद्देश्य दोनों देशों के बीच राजनयिक दरार पैदा करना नहीं था. जहैक ने कहा, "मैंने सिर्फ पाकिस्तान में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और पाकिस्तानी जेलों में अफगान बच्चों को बंद करने पर लिखा था."